केवल आप के लिये
गांव–गांव शहर–शहर देश दुनियां में अपनों तक पहुंचना है तो भारतीय बस्ती दैनिक वेब www.bhartiyabasti.com और उसका छपा संस्करण सबसे बेहतर माध्यम
सम्पर्क-bhartiyabasti@gmail.com
मो0 9450567450| 9336715406

दैनिक
भारतीय बस्ती

भारतीय बस्ती
www.bhartiyabasti.com के लिये विज्ञापन बुक कराये। विचार, प्रचार का सशक्त माध्यम सम्पर्क
मो0 9450567450
9336715406
भारतीय बस्ती आमंत्रण मूल्य 2रूपया

R.N.I. 38784/81 डाक पंजीकरण सं0 B.S.T 59 बस्ती, वर्ष :45 अंक 169 मंगलवार 9 जनवरी 2024 (बस्ती संस्करण) बस्ती एवं अयोध्या–फैजाबाद से एक साथ प्रकाशित पृष्ठ :4मूल्य:3.00 रुपया www.bhartiyabasti.com

एक नजर

शिकायतों के बावजूद अवर अभियन्ता के खिलाफ नहीं हो रही कार्रवाई

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। लोक निर्माण विभाग में कार्यरत अवर अभियन्ता सर्वेश वर्मा के खिलाफ मनीष पाण्डेय ने आरोप लगाते हुए कहा है की उनके पास उक्त विभाग के अतिरिक्त नगर पंचायत गायघाट, नगर बाजार एवं नगर पालिका परिषद बस्ती के निर्माण कार्यो का एमबी किया गया है। दोनों का मिलान करने पर अन्तर साफ देखा जा सकता है।

मुख्यमंत्री को भेजे पत्र में मनीष पाण्डेय ने कहा है की उक्त एमबी को राईटिंग एक्सपर्ट या लखनऊ की किसी जांच एजेन्सी ये जांच कराकर देखा जा सकता है। आरोप लगाते हुए कहा है की पूर्व में भेजे शिकायती पत्रों पर उसे मनगढंत बताते हुए कहा है की मनमाफिक रिपोर्ट लगाकर मामले को रफा दफा कर दिया जाता है। मामले की जांच कराकर दोषियों के खिलाफ उचित कार्रवाई की जाये।

पुस्तकें अनमोल होती हैं–भारद्वाज'

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । पुस्तकें अनमोल होती है, यह न केवल ज्ञान का भंडार होता है बल्कि हमारा सबसे अच्छा मित्र भी होता है, इसलिए हमें पुस्तकें जरूर पढ़नी चाहिए। तमाम महापुरुष भले ही हमारे बीच नही हैं, लेकिन उनकी लिखी पुस्तकें आज भी हमारे बीच विचारों के रूप में मौजूद हैं। यह बातें आचार्य राम चन्द्र शुक्ल पुस्तकालय टाउन क्लब परिसर में युवा विकास समिति द्वारा नेशनल बुक ट्रस्ट भारत सरकार के सहयोग से आयोजित पुस्तक मेले के दूसरे दिन मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक आर के भारद्वाज ने कही। इस मौके पर सी ए अजीत कुमार चौधरी ने कहा कि आज जब हम वैचारिक और सांस्कृतिक स्तर पर कई तरह की चुनौतियों का सामना कर रहे हैं तो पुस्तकों का महत्व और भी बढ़ जाता है। चिंता की बात यह है कि हमारी युवा पीढी डिजिटल दुनिया के करीब और पुस्तकों से दूर होती जा रही है। इस तरह के आयोजन से युवाओं को पुस्तकों के करीब आने का मौका मिलेगा। इस मौके पर जयंत मिश्र, जगदीश शुक्ल ने अपने विचार रखे।

पुस्तक मेले के भ्रमण के लिए डान वास्को स्कूल के बच्चों ने विजिट कर अपने पसंद की पुस्तकें क्रय की छात्र–छात्राओं द्वारा राम कृष्ण मठ के स्टाल विवेकान्द से जुडी पुस्तकों को खूब पंसद किया गया। वहीं निखिल पब्लिकेशन के स्टाल पर पाठ्यक्रम से जुड़ी पुस्तके भी खूब बिकी। डॉन वास्को स्कूल की शिक्षिका प्रियंका पाल ने बताया की बच्चों ने एटलस और भूगोल की किताबों की खूब खरीददारी की।

अध्यापक बिन्दुसार सिंह ने कहा की बच्चों को साहित्य और प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबें बहुत पसंद आ रहीं हैं। उन्होंने बताया की की बच्चों की पहली पसंद लोगों की साहित्य और छात्र छात्राओं को कोर्स व प्रतियोगी परीक्षाओं की किताबें पसंद आ रही हैं। सात दिवसीय पुस्तक मेले में शनिवार को पुस्तक प्रेमियों की भीड़ उमड़ पड़ी। लोगों ने अपनी मनपसंद किताबें यहां से खरीदी। किताबों की खरीद में यहां लोगों को छूट भी मिल रही

बस्ती पुस्तक मेले में 13 प्रकाशनों द्वारा करीब 50 लाख रूपये से अधिक की पुस्तकें स्टाल पर प्रदर्शित की गई है। पुस्तक मेले में बाहर से आये प्रकाशक पुस्तकों के अच्छी बिक्री से काफी खुश हैं। प्रकाशकों के अनुसार दो दिनों में करीब 3 लाख रूपये की पुस्तकों की बिक्री हुई है। जिसमें नेशनल बुक ट्रस्ट के स्टाल पर सबसे ज्यादा बिकने वाली पुस्तकों में डॉ भीम राव अम्बेडकर, रामधारी सिंह दिनकर, स्वामी विवेकानंद, इन्कलाब 1857, आजादी के मुकदमें प्रमुख हैं।

बिलकिस बानो मामले में दोषियों की सजा माफी रद्द

नई दिल्ली (आभा)। बिलकिस बानो मामले में सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात सरकार के फैसले को पलटते हुए दोषियों की सजा माफी रद्द कर दी है। सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दोषियों को अब फिर से जेल जाना होगा। सुप्रीम कोर्ट ने अपने फैसले में कहा कि जहां अपराधी के खिलाफ मुकदमा चला और सजा सुनाई गई, वही राज्य दोषियों की सजा माफी का फैसला कर सकता है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा दोषियों की सजा माफी का फैसला गुजरात सरकार नहीं कर सकती बल्कि महाराष्ट्र सरकार इस पर फैसला करेगी। गौरतलब है कि बिलकिस बानो मामले की सुनवाई महाराष्ट्र में हुई।

कोर्ट ने ये भी कहा कि दोषियों को रिहा करने का गुजरात सरकार का फैसला शक्ति का दुरुपयोग था। सुप्रीम कोर्ट ने सभी 11 दोषियों को अगले दो हफ्ते में जेल अथॉरिटी के सामने आत्मसमर्पण करने का आदेश दिया है। बिलकिस बानो गैंगरेप के 11 दोषियों की सजा गुजरात सरकार ने माफ कर दी थी। गुजरात सरकार के इस फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई, जिस पर सुप्रीम कोर्ट आज अपना फैसला सुनाया। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस उज्जवल भुइयां की पीठ ने मामले की सुनवाई की और 12 अक्तूबर 2023 को अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था।

गुजरात सरकार की माफी नीति के तहत साल 2022 में बिलकिस बानो से गैंगरेप और उसके परिवार के सात सदस्यों की हत्या के दोषियों की सजा माफ कर दी थी और उन्हें जेल से रिहा कर दिया था। हालांकि अब सुप्रीम कोर्ट के फैसले के बाद दोषियों को फिर से जेल जाना होगा। इन दोषियों को सीबीआई की विशेष अदालत ने साल 2008 में उम्रकैद की सजा सुनाई थी, जिस पर बॉम्बे हाईकोर्ट ने भी अपनी मुहर लगाई थी। उम्रकैद की सजा पाए दोषी को 14 साल जेल में ही बिताने होते हैं। उसके बाद अपराध की प्रकृति, जेल में व्यवहार और अन्य चीजों को ध्यान में रखते हुए सजा घटाने या रिहाई पर विचार किया जा सकता है। बिलकिस बानो गैंगरेप के दोषी जेल में 15 साल बिता चुके हैं। जिसके बाद दोषियों ने सजा में रियायत की गुहार लगाई थी। जिस पर गुजरात सरकार ने अपनी माफी नीति के तहत इन 11 दोषियों को जेल से रिहा कर दिया।

राजस्थान में भजनलाल शर्मा को बड़ा झटका, मंत्री हार गए चुनाव

जयपुर (आभा)। राजस्थान में भजनलाल सरकार को बड़ा झटका लगा है। सरकार बनने के एक महीने बाद ही भारतीय जनता पार्टी को करणपुर विधानसभा सीट पर हार का सामना करना पड़ा है। चुनावी नतीजे से सरकार की सेहत पर भले ही कोई असर ना पड़े, लेकिन इससे भाजपा को किरकिरी का सामना करना पड़ रहा है।

भाजपा ने करणपुर से प्रत्याशी सुरेंद्रपाल सिंह टीटी को मंत्री बना दिया था, लेकिन अब चुनाव में हार के बाद उन्हें यह पद छोड़ना होगा। कांग्रेस प्रत्याशी रुपिंदर सिंह को 11 हजार से अधिक वोट से जीत मिली। रुपिंदर सिंह ने कुल 94761 वोट हासिल किए तो भाजपा के सुरेंद्रपाल सिंह टीटी को 83500 वोट मिले। भाजपा और कांग्रेस की सीधी टक्कर में अन्य सभी उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई।

पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर मण्डल स्तरीय भूख हड़ताल में गरजे कर्मचारी, शिक्षक नेता

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल के नेतृत्व में सोमवार को पेंशन बहाली संयुक्त मंच 'एन.जे.सी.ए.' राष्ट्रीय नेतृत्व के आवाहन पर दिन में 10 बजे से जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर में एक दिवसीय मण्डल स्तरीय भूख हड़ताल किया गया। इसमें संघ पदाधिकारी और शिक्षकों के साथ ही बड़ी संख्या में कर्मचारी संगठनों के पदाधिकारियों, कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

शिक्षक संघ जिलाध्यक्ष उदयशंकर शुक्ल ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली के लिये एकजुटता के साथ संघर्ष करें। यदि 2024 में चूक गये तो शिक्षकों, कर्मचारियों के बुढापे की लाठी को सरकार छीन लेगी। सबको एकजुट होकर ऐसा संघर्ष करना होगा कि दिल्ली की केन्द्र सरकार निर्णय बदलने को बाध्य हो जाय।

भूख हड़ताल के दौरान राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मण्डल अध्यक्ष अरूण कुमार प्रजापति, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के मार्कण्डेय राय, परिषद अध्यक्ष मस्तराम वर्मा, सिद्धार्थनगर के अध्यक्ष अनिल सिंह, संतकबीर के परिषद जिलाध्यक्ष रामभजन यादव, उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के सिद्धार्थनगर अध्यक्ष देवेन्द्र यादव, मंत्री हीरालाल भारती, परिषद जिला मंत्री मंत्री तौलू प्रसाद, राकेश कुमार, शैलेन्द्र कुमार गुप्ता, राकेश कुमार, कार्यवाहक अध्यक्ष रामअधार पाल, शैलेन्द्र कुमार, आशीष सिंह, अभय सिंह यादव, दिवाकर सिंह, देवेन्द्र वर्मा, शैल शुक्ल, चन्द्रभान चौरसिया, रीता शुक्ला, महेश कुमार, इन्द्रसेन मिश्र, आशुतोष पाण्डेय, चन्द्रभान चौरसिया, योगेश्वर प्रसाद शुक्ल, के साथ ही राजेश कुमार श्रीवास्तव, सन्तोष कुमार, सफाई कर्मचारी संघ अध्यक्ष अजय आर्य, सेवा निवृत्त कर्मचारी संघ के जलालुद्दीन कुरेशी, परमात्मा प्रसाद, गौरीशंकर, अमरनाथ गौतम, मनोज चौहान, राजेश कुमार, सुभाष चन्द्र यादव, अनिल कुमार मिश्र आदि ने सम्बोधित किया। कहा कि पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर निर्णायक संघर्ष करना होगा। कर्मचारियों, शिक्षकों के लिये यह करो या मरो का समय है। 2024 में इस लडाई को जीतना ही होगा वरना कर्मचारियों के बुढापे की लाठी टूट जायेगी।

भूख हड़ताल में मुख्य रूप से सूर्य प्रकाश शुक्ल, संदेश कुमार रंजन, बब्बन पाण्डेय, चन्द्रशेखर पाण्डेय, कन्हैया पटेल, अभिषेक कुमार जायसवाल, सुनील यादव, देवेन्द्र वर्मा, रामभरत वर्मा, आनन्द दूबे, भैयाराम राव, रामपाल चौधरी, त्रिलोकीनाथ, विनय कुमार, विनोद यादव, अनिल सिंह, ज्ञानदास, कल्पनाथ, लालजी, प्रदीप दूबे, इफ्तिखारूल निशा, सन्तोष शुक्ल, शिव कुमार गुप्ता, बाबूराम, दिलीप कुमार, राम गोपाल, शैलेष कुमार, सुशील अम्बेडकर, राम उजागिर, राजमणि, मिर्जा महबूब, प्रकाशनाथ त्रिपाठी, वृजेन्द्र मिश्र, अभय पाण्डेय, अशोक सिंह, चन्द्रमणि पाण्डेय सुदामा, विनोद गौतम, दिनेश वर्मा, रमेश, सुनील पाण्डेय, रविन्द्रनाथ, राजीव पाण्डेय, राजेश चौधरी, सुभाष मिश्र, ई. अभिषेक सिंह, नन्दीश्वर यादव, विद्याभूषण यादव, दिनेश मिश्र, अजय गौतम के साथ ही हजारों की संख्या में अनेक शिक्षकों, कर्मचारियों ने हिस्सा लिया।

फिर दम तोड़ गया शहर में अतिक्रमण हटाओ अभियान..!

–अनूप–

– बिजली के पोल अतिक्रमण के लिए सबसे ज्यादा जिम्मेदार

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । प्रशासन द्वारा सड़कों के किनारे की पटरियों पर होने वाले अक्रिमण को जोरशोर से हटाया गया। हटने के बाद लगा की अब बस्ती की सड़कों पर होने वाले जाम से कुछ निजात मिलेगी। लेकिन पखवाड़ा भी नहीं बीतने पाया, हटे हुए अतिक्रमण फिर से अपने पुराने रुवरुप में वापस लौटने लगे है।

शास्त्री चौक, कम्पनी बाग, गांधी नगर से होते हुए रोडवेज तक के अतिक्रमण को प्रशासन ने हटाया था। कुछ लोगों ने प्रशासन के रवैये को देखते हुए खुद बखुद हटा लिया। प्रशासन के सुस्त पड़ते ही दुकानदारों ने सड़कों तक अपना जाल फैला लिया। जिससे सड़कों की पटरियां फिर से सिकुड़ जा रही है।

कम्पनी बाग, गांधी नगर पुलिस चौकी के सामने अतिक्रमणकारी बेखौफ होकर सड़कों तक अपनी दुकानों को फैला रहे है। जिससे शहर वासियों को रोज जाम से जूझना पड़ता है। जाम के लिए शहर की सड़कों के किनारे लगे बिजली के पोल बहुत बड़ी भूमिका निभाते है। पूरे शहर में बिजली के पोल पटरियों पर ही लगे है। कहीं कही तो सड़कों के किनारे तक वो पोल आ चुके है। जिससे हमेशा एक्सीडेन्ट का खतरा बना रहता है।

रोडवेज के आसपास, गिरिराज होटल के सामने, जिला अस्पताल चौराहे पर जाम के लिए बिजली के पोल हमेशा जाम लगाये रहते है। जिन्हें हटाने के लिए तमाम कागजी कार्रवाई के बाद भी अब तक उन्हें हटाया नहीं जा सका। अस्पताल चौराहे के दोनों तरफ के पोल हटाने के लिए तो मौखिक रूप से तत्कालीन जिलाधिकारी प्रियंका निरंजन ने बिजली विभाग को कहा था। उसके बावजूद उन्हें हटाने में विभाग ने कोई दिलचस्पी नहीं ली।

लोगों को कहना है की जब तक शहर के जाम की समस्या को हटाने के लिए फुलप्रूफ प्लान नहीं किया जाता। तब तक अतिक्रमण हटाने की सभी कवायदें ऐसे ही दम तोड़ती रहेंगी।

बिना जानकारी पत्रकारिता संभव नहीं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । , पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रामकृष्ण भारद्वाज ने सोमवार को कहा है कि निष्पक्ष पत्रकारिता करने के लिए निष्पक्ष होना बहुत जरूरी है पत्रकार को समाज के सभी वर्गों से जुड़ा रहना चाहिए और हर क्षेत्र में पर्याप्त जानकारी होना बहुत ही आवश्यक है बिना जानकारी के पत्रकारिता करना सम्भव नही है।

आज आचार्य रामचन्द्र शुक्ल पुस्तकालय टाउन क्लब मे युवा विकास समिति द्वारा आयोजित बस्ती पुस्तक मेला मे अनिल कुमार श्रीवास्तव स्मृति पत्रकारिता सम्मान समारोह को सम्बोधित करते हुए बतौर मुख्य अतिथि पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रामकृष्ण भारद्वाज ने कहा कि बस्ती मण्डल भगवान गौतम बुद्ध की धरती है भगवान गौतम बुद्ध ने पूरे विश्व को शांति का सन्देश दिया था यहां की धरती पूजनीय है। पूरे विश्व मे भगवान गौतम बुद्ध पूजे जाते है। बस्ती के ही सपूत आचार्य रामचन्द्र शुक्ल ने पूरी दुनिया को हिन्दी का बैज्ञानिक स्वरूप दिया उनके लिखे उपन्यास, निबंध पूरी दुनिया मे पढ़े जाते है।

उन्होने कहा कि बिना डरे अपनी बात को स्पष्ट रूप से रखना चाहिए और यही बाते कबीरदास मे थी कबीरदास ने अपनी बेबाक शैली से दुनिया को इसी धरती से झूठ, आडम्बर से बचने का सन्देश दिया था जिसे हमे आत्मसात करने की जरूरत है।

उन्होने कहा कि पत्रकारिता करने के लिए सबसे पहले हमे ज्ञान, कला, कौशल तीनो की आवश्यकता होती है निष्पक्ष पत्रकारिता की एक मर्यादा होती है और ऐसे पत्रकारिता करने वाले पत्र कार स्व0 अनिल कुमार श्रीवास्तव की तरह हमेशा लोगो के मन,मस्तिष्क मे बसे रहते है। हमे अपनी संस्कृति और संस्कार को नही भूलना चाहिए अपने से बड़ो का सदैव आदर सत्कार करना चाहिए तथा अपने बच्चों को इसी संस्कृति मे ढालना चाहिए।

–अनिल कुमार श्रीवास्तव की स्मृति में पुस्तक मेले में सम्मानित हुये पत्रकार

कार्यक्रम को वरिष्ठ पत्रकार दिनेश चन्द्र पाण्डेय,जयन्त मिश्रा,सरदार जगबीर सिंह,पुनीतदत्त ओझा,अवधेश त्रिपाठी,गरूणध्वज पाण्डेय,वृहस्पति कुमार पाण्डेय,अमित सिंह,ओमप्रकाश आर्या,जगदीश शुक्ला,वृहस्पति कुमार पाण्डेय,प्रदीप चन्द्र पाण्डेय,आलोक मणि त्रिपाठी, महेन्द्र तिवारी, आलोक कुमार श्रीवास्तव,सीए चन्द्र प्रकाश चौधरी,अनुराग कुमार श्रीवास्तव,अशोक कुमार श्रीवास्तव सहित अन्य लोगो ने भी सम्बोधित किया।

इस मौके पर विनोद उपाध्याय, अश्वनी शुक्ल,राकेश गिरी,राजेश पाण्डेय,पुनीत दत्त ओझा,रमेश चन्द्र मिश्रा,अमित कुमार सिंह,जीतेन्द्र यादव,स्कन्द शुक्ल,सुरेन्द्र पाण्डेय, सन्दीप गोयल, सद्दाम हुसैन, सजंय विश्वकर्मा,जयप्रकाश उपाध्याय,अनिल पाण्डेय,विशाल पाण्डेय, अवधेश कुमार त्रिपाठी,सर्वेश श्रीवास्तव,आलोक मणि त्रिपाठी, देवेन्द्र पाण्डेय, महेन्द्र तिवारी,मनोज सामना,अशोक श्रीवास्तव, हरिओम लल्ला,विपिन बिहारी तिआठी, रहमान अली, राजकुमार शुक्ल,सुरेश सिंह गौतम,दिलीप चन्द्र पाण्डेय, रजनीश त्रिपाठी,इमरान अली,डा. वीके वर्मा,सन्तोष श्रीवास्तव,सुनील मिश्रा सहित अन्य लोगो को अनिल कुमार श्रीवास्तव स्मृति पत्रकारिता सम्मान से सम्मानित किया गया।पुलिस महानिरीक्षक (आईजी) रामकृष्ण भारद्वाज द्वारा बुक स्टालों का अवलोकन किया गया।

इस अवसर पर माधुरी पाण्डेय, दिनेश पाण्डेय,अमर सोनी,धर्मेन्द्र पाण्डेय,अरून कुमार,नरेन्द्र तिपाठी, विवेक श्रीवास्तव,कौशल ओझा,संध्या दीक्षित,महेश चन्द्र मौर्य, आफताब आलम,सुमित जायसवाल, बबुन्दर यादव,राजन यादव,देवी प्रकाश,महेश शुक्ला सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।कार्यक्रम का संचालन प्रेस क्लब अध्यक्ष विनोद कुमार उपाध्याय ने किया तथा आगन्तुको का आभार युवा विकास समिति के सचिव वृहस्पतिकुमार पाण्डेय ने किया।

जिलाधिकारी ने रेडक्रास पदाधिकारियों के साथ जरूरतमंदों में किया कम्बल का वितरण

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती । जिलाधिकारी आन्द्रा वामसी ने रेडक्रास पदाधिकारियों के साथ रविवार की मध्य रात्रि में जरूरतमंदों में कम्बल का वितरण किया। उन्होने सचिव सरदार कुलवेन्द्र सिंह से कहा कि ध्यान रहे कि कडाके की ठंड में पात्रों तक कम्बल पहुंचे जिससे उन्हें राहत मिले। वे महिला अस्पताल पहुंचे और भर्ती मरीजो को कम्बल वितरित कर नवजात शिशुओं को आशीर्वाद दिया। कुलवेन्द्र सिंह ने डीएम को बताया कि रेडक्रास द्वारा प्रति वर्ष कम्बल का वितरण किया जाता है।

महिला अस्पताल के सीएमएस डाक्टर पी.के.श्रीवास्तव और स्टाफ मौजूद थे। रेडक्रॉस सोसाइटी के सदस्य डाक्टर वी.के.वर्मा, राजेन्द्र सिंह राजावत, कुलदीप सिंह, लाडले हैदर रिजवी, राहुल मोदी, काजी फरजान, शैलेन्द्र राय, डेनियल सैयद, विनय मौर्या, प्रताप शंकर पाण्डेय, सरदार दीपेन्द्र सिंह एडवोकेट, रोहित गौड़ , अदित्य गौड़, सौरभ यादव, चुन्ना प्रसाद, सैनिक कुमार, रामदीन ,शिवा गौड़, शिवानी, आयुष सिंह, बबिता आदि ने योगदान दिया।

राजन इंटरनेशनल एकेडमी में छात्रों का निःशुल्क प्रवेश 15 से

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। मण्डल के प्रमुख शिक्षण संस्थान राजन इंटरनेशनल एकेडमी में नौनिहालों को उत्कृष्ट शिक्षा देने के लिए में सत्र 24–25 के लिए 15 जनवरी से नये प्रवेश लिये जायेंगे। प्रबन्ध निदेशिका शिखा चतुर्वेदी और प्रधानाचार्य सानू एंटोनी ने कहा कि अभिभावकों के भरोसे पर खरा उतरना हमारी प्राथमिकता है।

बताया कि जहां हम प्लेवे से 12 तक के छात्रों को शिक्षा प्रदान कर रहे हैं वहीं शिक्षा क्षेत्र में नई तकनीकी के साथ ग्रामीण अंचल से लेकर शहरी क्षेत्र के नौनिहालों को उत्कृष्ट शिक्षा प्रदान किया जा रहा है। इसके लिए यहां पर केरला दार्जिलिंग से अनुभवी टीचरों को लाया गया है बच्चों के हर सुविधाओं का ध्यान हमारी प्राथमिकता है। बताया कि शिक्षण शुल्क भी बहुत न्यूनतम रखा गया है जिससे हर तबके के लोग राजन इंटरनेशनल एकेडमी में अपने बच्चों को शिक्षण दिला सके क्योंकि जो इस एकेडमी की सोच है वह समाज के हर वर्ग के लोगों तक शिक्षा को पहुंचाना है। कोई प्रवेश शुल्क नहीं लिया जायेगा।

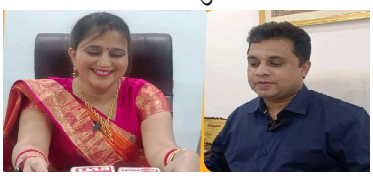

राजन इंटरनेशनल एकेडमी द्वारा 25 किलोमीटर के दायरे में वाहन की सुविधा उपलब्ध है। इसके साथ ही शिक्षा के साथ ही नृत्य, संगीत, कम्प्यूटर, इंग्लिश स्पीकिंग, खेल कूद के साथ ही बौद्धिक विकास के लिये निःशुल्क दूर कराया जाता है। बेहतर शिक्षा देना हमारी प्राथमिकता है।

शिव सेना की बैठक में संगठन विस्तार जोर

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। शिवसेना यू.बी.टी. की प्रांतीय कार्यकारिणी बैठक सोमवार को विधायक निवास लखनऊ में सम्पन्न हुई। मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रवक्ता आनंद दूबे जी, राज्य प्रमुख ठाकुर अनिल सिंह जी ने संगठन विस्तार व आगामी लोकसभा चुनाव को लेकर पदाधिकारियों व कार्यकर्ताओं से वृहद चर्चा की। यह जानकारी देते हुये बस्ती शिवसेना जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय ने बताया कि उन्होने मुख्य अतिथि आनन्द दुबे और प्रदेश प्रमुख ठाकुर अनिल सिंह को पटका पहनाया तथा राम दरबार देकर स्वागत किया।

यहा जारी विज्ञप्ति के माध्यम से जिला प्रमुख प्रमोद पाण्डेय ने बताया कि बस्ती जनपद से गए 11 लोगों ने शिवसेना में अपनी आस्था व विश्वास रखते प्रदेश कार्यकारिणी बैठक में सदस्यता ली और मुख्य अतिथि राष्ट्रीय प्रवक्ता आनंद दूबे ने सभी को मंच पर सम्मानित करते हुए पद एवं गोपनीयता की शपथ दिलाई।

प्रान्तीय कार्यकारिणी बैठक में राघेश्याम शुक्ल, नागेन्द्र प्रसाद मिश्रा, बलराम प्रजापति ,अभिषेक कुमार, अनिल प्रजापति ,विकास चौधरी, सूरज यादव, विनय गुप्ता, चंचल, ऊषा किरण ,मंजू देवी, मुशती देवी ,सावित्री देवी ,गीता देवी आदि शामिल रहे।

"मुझे अखबार निकालने दो तो मै इस बात की परवाह नहीं करता कि कौन धर्म का नियामक है और कौन कानून का निर्माता"—वेडेल फिलिप्स

दैनिक
भारतीय बस्ती
बस्ती 9 जनवरी 2024 मंगलवार

सम्पादकीय

सूरज की खोज में इसरो

भारतीय अंतरिक्ष वैज्ञानिक हाल के दिनों में आसमानी सफलता की नयी इबारत लिख रहे हैं। पिछले वर्ष अगस्त में चंद्रमा के दक्षिण ध्रुव पर चंद्रयान–3 की सफल लैंडिंग के एक सप्ताह के भीतर ही भारत ने सूरज विषयक नया ज्ञान जुटाने के लिये आदित्य एल–1 मिशन शुरू किया था। हर भारतीय के लिये गर्व की बात है कि पृथ्वी से लगभग पंद्रह लाख किमी दूर आदित्य अपने लक्ष्य तक सफलतापूर्वक पहुंच गया है। जो बताता है कि कैसे इसरो के वैज्ञानिक बेहद जटिल व मुश्किलों से भरे अभियानों को सहजता से तार्किक परिणति दे रहे हैं। भारतीय वैज्ञानिकों की बड़ी उपलब्धि यह भी है कि तमाम सफलताएं इतनी कम लागत में हासिल की गई हैं कि पूरी दुनिया दांतों तले उंगली दबा लेती है। इस तरह भारत विज्ञान की उन सीमाओं को विस्तार दे रहा है जो कालांतर शेष दुनिया के लिये कल्याणकारी साबित होंगी। शुरुआती संकेत बता रहे हैं कि मिशन के सभी अवयव सुचारू रूप से अपना काम कर रहे हैं। बताया जा रहा है कि आदित्य अगले पांच वर्षों तक शोध व अनुसंधान के कार्यों के जरिये मानवता के कल्याण के लिये नई जानकारी जुटाएगा। इस मिशन की सफलता ने उन संभावनाओं को भी गति दी है, जो भविष्य में अन्य ग्रहों में शोध–अनुसंधान के लिये मार्ग प्रशस्त कर सकती हैं। इस तरह पहले सूर्य मिशन में भारत ने अंतरिक्ष में सूर्य की निगरानी करने वाली ऑब्जर्वेटरी स्थापित कर दी है।

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन साल 2023 में इतिहास रचने के बाद नए साल से नए जोश और मिशन के साथ आगे बढ़ रहा है। 2024 में इसरो एक बार फिर इतिहास रचने जा रहा है। इस बार इसरो ने अंतरिक्ष में इतिहास रचने के लिए अंतरिक्ष की नंबर वन कंपनी स्पेस एक्स से हाथ मिलाया है। इसरो साल 2024 की तिमाही में अपने संचार सैटेलाइट जीएसएटी –20 को अंतरिक्ष कंपनी स्पेस–एक्सकी मदद से लॉन्च करने वाला है। ऐसा पहली बार हो रहा है जब इसरो अपने किसी मिशन को लॉन्च करने के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष कंपनी स्पेस एक्स के फाक्कन–9 हेवी लिफ्ट लॉन्चर का प्रयोग करेगा। स्पेस ग उद्योगपति एलन मस्क की कंपनी है, जिसकी 2002 में स्थापना की गई थी।

दरअसल, लैंगरैंज प्वाइंट तक पहुंचा आदित्य एल–1 धरती के इस करीबी ग्रह में होने वाली विभिन्न प्रक्रियाओं का अध्ययन, अंतरिक्ष के मौसम व सौर प्रवाह के धरती पर पड़ने वाले प्रभावों के विश्लेषण का मार्ग प्रशस्त करेगा। बीते साल दो सितंबर को प्रक्षेपित किए गए सूर्य मिशन का लक्षित कक्षा में सफलतापूर्वक पहुंचना हमारे वैज्ञानिकों की मेधा व सटीक योजना का ही परिणाम है। उल्लेखनीय है कि जिस बिंदु पर आदित्य को पहुंचाया गया है वहां सूरज व धरती का गुरुत्वाकर्षण बल संतुलित होता है, जिसके चलते अंतरिक्ष यान को कम ईंधन की जरूरत होती है। वह कम ईंधन में अधिक समय तक वैज्ञानिक शोध–अनुसंधान कर सकता है। दरअसल, आदित्य यान में मौजूद सात पेलोड्स सूर्य की बाहरी परत, ऊर्जा और अंतरिक्ष में होने वाली अन्य गतिविधियों का अध्ययन करेंगे। साथ ही उन कारकों की पड़ताल जो धरती व अंतरिक्ष के मौसम को प्रभावित करते हैं। दरअसल, सौर प्रवाह के चलते धरती पर कई तरह की वैज्ञानिक घटनाएं सामने आती हैं। जिसमें इलेक्ट्रोमैग्नेटिक विचलन की तार्किकता भी है। अब वैज्ञानिक सूर्य के विकिरण तथा धरती पर उसके प्रभावों के बारे में भी अधिक जानकारी जुटा पाएंगे। निश्चित रूप से आदित्य मिशन की सफलता से भारतीय वैज्ञानिकों के सूर्य को लेकर ज्ञान में वृद्धि होगी। जो कालांतर मानवता के कल्याण और अंतरिक्ष से आसन्न खतरों से बचाव का मार्ग दिखाने में सहायक होगा। विश्वास किया जाना चाहिए कि साढ़े चार करोड़ डॉलर बजट वाले इस आदित्य मिशन से भविष्य में देश को भरपूर लाभ मिल सकेगा। इसरो जिस तेजी से अपने मिशन में आगे बढ रहा है यह भारत के लिये बड़ी उपलब्धि है।

यादों की कसक में श्रीराम मंदिर

राजेश रामचंद्रन

जनवरी की एक बर्फीली सुबह को पड़ोस की श्रमिक कालोनी से आते ऊंचे नारों से नींद टूटी। नारे थे 'जय श्री राम' के और एक छोटा झुंड घर–घर जाकर अयोध्या में 22 जनवरी को राम मंदिर में राम लला की मूर्ति के प्राण–प्रतिष्ठा समारोह के बारे में सूचना दे रहा था। मैंने खुद को अन–आमंत्रित महसूस किया। क्या यह इसलिए कि मुझको भी वे मैकालेपुत्र मानकर या सटीकता से कहें तो चर्चिलपुत्र की तरह ले रहे हैं, जिसे किसी भी भारतीय चीज या हिंदू शब्द से चिढ़ थी या फिर मैं उनके आक्रामक हिंदू राष्ट्रवाद का साथ न देने वाला एक गांधीवादी अमनपसंद व्यक्ति हूं।

खैर, मैकालेपुत्र, गांधीवादी राष्ट्रवादी और हिंदू पुनर्जागरण कर्तादू सरल या प्राय: गाली जैसी शब्दावली मेंदृ ये तीनों मौजूदा भारतीय राजनीतिक चलन में प्रतिस्पर्धात्मक धाराएं हैं, जिसमें तीसरी किस्म ने अन्यों को पछाड़ दिया है। अयोध्या में राम मंदिर का बनना हिंदू पुनरुत्थानवादियों के लिए जीत का प्रतीक है। एक पूर्व ब्रिटिश औपनिवेशिक कालोनी में राष्ट्रवाद भारत की मुख्य राजनीतिक भावना बना रहा और यह जातीय, क्षेत्रीय और भाषाई भेदों पर भारी पड़ता है। हिंदू पुनरुत्थानावादियों की जीत के पीछे खुद को भारतीय राष्ट्रवाद का एकमात्र ध्वजवाहक होने की दावेदारी की सफलता है, जिसे उन्होंने आसानी से धार्मिक–राजनीतिक परियोजना में तब्दील कर डाला और यहां पर राजनीतिक चलन की अन्य दो धाराएं पस्त हो गईं।

पहली हार हुई गांधीवादी राष्ट्रवादियों की। जब तक इसका जोर रहा, हिंदू दक्षिणपंथी पुनरुत्थानवादी मुख्यधारा का राजनीतिक दल नहीं बन पाए। वास्तव में, जब भारतीय जनता पार्टी का गठन हुआ तो इसने गांधीवादी समाजवाद को अपना मार्गदर्शक सिद्धांत बताया था, जो भारतीय राष्ट्रवाद के इस शाश्वत प्रतीक को भुनाने का प्रयास था। इसी बीच, कांग्रेस में गांधीवादी राष्ट्रवाद के उत्तराधिकारियों ने इस विचार को हिंदू–मुस्लिम एकता और सौहार्द में तब्दील करते हुए प्रतिगामी इस्लामिक मौलानाओं का तुष्टिकरण करके, जिन्हें धार्मिक आधार पर अलगाववाद तक से गुरेज नहीं था, अपने मूल सिद्धांतों का मखौल बना डाला।

सलमान रश्दी की किताब सैटेनिक वर्सेस पर प्रतिबंध, शाह बानो मामले में अदालती फैसले को उलटना और जिन्ना की मुस्लिम लीग से पुराना गठबंधन कायम रखने वाले दोहरे चरित्र ने साम्प्रदायिक आधार पर राजनीति करके वाले सत्ता हथियाने के आरोपों को वैधता दे डाली। यदि इस्लाम का इस्तेमाल वोट पाने के लिए हो सकता है तो फिर हिंदुत्व क्यों नहीं? बदतर भूमिका रही नव–भारत के वामपंथी छद्म–बुद्धिजीवियों की, जिन्होंने पूर्व–आधुनिक युगीन इस्लामिक प्रतिगामिता को न्यायोचित सिद्ध करने में सारा जोर लगा दिया। भारतीय वामपंथ, जो खुद को उत्तर–आधुनिक युगीन लोकतंत्र की आवाज होने का दावा करता है, वह इस्लामिक धार्मिक अलगाववादियों और कश्मीर घाटी से हिंदुओं के धार्मिक आधार पर सफाए को न्यायोचित बताने का हर संभव प्रयास करता रहा।

द्वि–राष्ट्र का सिद्धांत मैकाले की खोज न होकर चर्चिल की सनक अधिक था। तथापि, उत्तर–आधुनिक युगीन शिक्षाविद, लेखक और राजनेता खुद को ऐसा समूह बताते रहे जिसे ऐसे भारत की परिकल्पना स्वीकार्य नहीं, जिसमें हिंदू और मुस्लिम एक साथ रहें। जब पश्चिमी साहित्य पुरस्कार विजेता और पश्चिम–अनुमोदित शिक्षाविद साम्प्रदायिक अलगाववाद के शिकार बने लोगों की दयनीयता को नजरअंदाज करने लगे या धार्मिक आधार पर देश के टुकड़े करने की बात करने वालों की बैठकों में भाग लेने लगे, और जब औपनिवेशिक शासकों की तरह उनका द्वि–राष्ट्रीय एजेंडा और प्रत्यक्ष होने लगा, तब उन्हें मैकालेपुत्र कहकर पुकारा जाने लगा।

आगे, इस प्रक्रिया में, भारतीय वामपंथ ने राष्ट्रवाद को अंधराष्ट्र की दुकान ठहराकर आलोचना करनी शुरू कर दी। इसने मजबूत मध्यमार्गी दल (कांग्रेस) का तोड़ करने को बेशर्मी से जातीयता और भाषाई आधार पर अलगाववाद को हथियार बनाया। इंदिरा गांधी जैसा नेता, जो पश्चिम–प्राधान्यता को चुनौती देने की कूवत रखता हो, कहीं ऐसा कोई और नेता न उभर आए, यह डर नव भारतीय वामपंथ में तारी रहा, जिसमें ज्यादातर गिनती पश्चिमी शिक्षाप्राप्त या पश्चिमी सोच से ओतप्रोत शिक्षाविदों, लेखकों और पत्रकारों की है। एक राष्ट्रीय पत्रिका के पहले संस्करण में दावा किया गया कि 70 फीसदी कश्मीरी भारत से अलग होना चाहते हैं, हालांकि किस सर्वे को आधार बनाया यह आज तक रहस्य है। यह 1990 के दशक की उथल–पुथल थी, जब दक्षिणपंथी हिंदुत्व इस नव–वामपंथ और पुरानी कांग्रेस के गांधीवादी राष्ट्रवाद के वारिस झंडाबरदारों से मुकाबले को बतौर एक मान्य ताकत बनकर उभरने लगा।

आज भी, राहुल गांधी मानते हैं कि जातिगत गणना हिंदू राष्ट्रवाद पर भारी पड़ेगी, क्या उन्हें अहसास है कि जिस अन्य पिछड़ा वर्ग के लिए वे लगभग 40 प्रतिशत आरक्षण चाहते हैं, पहले स्वयं अपने संगठन में मुख्यमंत्री या पदाधिकारी चुनने में, या टिकट आवंटन करने में लागू कर दिखाना चाहिए। दरअसल, वंशवादी कांग्रेसी नेताओं ने जुगत लगाकर जातीयता और धार्मिक पहचान आधारित ऐसा हिंदू स्वरूप बनाना चाहा है जिसके लिए भगवान राम एक मिथक और आभासीय चरित्र हो। इसका तोड़ करने को, नव वामपंथियों ने मध्ययुगीन इतिहास को खंगालते हुए, यह सिद्ध करने की कोशिश की कि बाबर सही था, यह भूलते हुए कि भाजपा ठीक यही चाहेगी ताकि राष्ट्रवाद को बतौर एक राजनीतिक मंच हड़प सके।

हिंदू आमजन उस आक्रमणकारी के हिंदूओं के सबसे पवित्र नगर में मस्जिद बनवाने को सही कैसे मान लें? ऐसा कोई एक भी हिंदू परिवार न होगा जिसमें राम की पूजा न हो या रामायण पाठ या आराधना या रीतियों का पालन न हो। पश्चिमी सोच में रंगे बुद्धिजीवियों के हिंदू जनमानस के विरुद्ध मचाए शोर ने लोगों को उनसे विमुख किया, जिसे आरएसएस के एजेंडे ने स्वरूप देकर, राम मंदिर को हिंदू पुनरुत्थान समाज का प्रतीक बना डाला। साल 1977 में, भारतीय राजनीति में जब स्वतंत्रता पार्टी, भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (संगठन), लोक दल और समाजवादी दल ने मिलकर इंदिरा गांधी से मुकाबला करने को जनता पार्टी बनायी तो बतौर एक घटक जनसंघ की हैसियत एक छोटे खिलाड़ी की थी। यहां तक कि 1989 तक भी, बोफोर्स रिश्वत प्रकरण पर खूब प्रचार करने के बावजूद भाजपा कांग्रेस और जनता दल से काफी पीछे थी।

फिर भी यह कहना गलत होगा कि भाजपा के उद्भव का श्रेय विशुद्ध रूप से राम मंदिर आंदोलन को जाता है, जिसकी वास्तविक परिणति 1992 में बाबरी मस्जिद विध्वंस में हुई और इस पर कार्रवाई जारी रही। मस्जिद गिरते ही, जल्द ही आडवाणी युग का अंत तो मोदी युग का आरंभ हुआ, जब 2010 में कॉमनवेल्थ खेलों की पूर्व संध्या में दिल्ली में नव–निर्मित पुल के गिरने, तैयारियों में कोताही और भ्रष्टाचार के आरोपों को लेकर यह जगहंसाई का सबब बना।

भारत को सदा एक ऐसे मजबूत नेता की चाहत रही है जो अंतर्राष्ट्रीय नक्शे का पुनर्निर्धारण कर सके, नए इलाके मिलाए और एक महाशक्ति का इस्तेमाल दूसरे के विरुद्ध करे। इसकी बजाय, मंदिर निर्माण हिंदू जनमानस के इस डर को जीतने का पर्याय बन गया कि कहीं मुल्कों की भलमनसाहत में दूसरे दर्जे का नागरिक बनकर न रह जाए। मंदिर का उद्घाटन, जहां मध्ययुगीन यादों पर जीत की तरह है वहीं हिमालयी आक्रामकता के विरुद्ध युद्ध का सरल अहसास भी कराती हैदृ एक तरह से हिंदू दृढ़ता का लक्षण।

शैक्षिक पाठ्यक्रम आधुनिक तकनीक से समृद्ध हो

—सुरेश सेठ—

हमने 2024 में कदम रख लिया है। यह कदम है नये ज्ञान का, इंटरनेट ताकत का, चौट जीपीटी का और कृत्रिम मेधा का। रोबोटिक्स युग शुरू हो गया। इस युग के आविर्भाव के लिए हमें पहले तो देश की वास्तविकता की पहचान करनी होगी। यह देश जहां पर पिछड़े हुए इलाके हैं, पहाड़ों में बिखरी हुई जनसंख्या है और हमारा ग्रामीण समाज है जिन्हें शिक्षा के नाम पर पुरातनपंथी अध्यापकों द्वारा पुराने सिलेबस की वही रिवायती शिक्षा परोसी जाती है। लेकिन दूसरी ओर शुरू हो गई देश में कौशल विकास योजना। इस बदले हुए युग में युवाओं को इंडस्ट्री के नये युग के अनुरूप ढालना पड़ेगा। कृत्रिम मेधा आ गई. उडी प्रिंटिंग आ गई, रोबोटिक्स आ गई और डीपफेक जैसा कुप्रचलन आ गया। इस साल की अंतिम मन की बात कार्यक्रम में प्रधानमंत्री ने अन्वेषण, नयी सोच, शोध और नये अध्यवसाय की बात की है लेकिन उसके लिए चाहिए अधिक निवेश।

नीति आयोग का कहना है कि देश की सकल घरेलू आय का कम से कम 6 प्रतिशत शिक्षा विकास पर खर्च किया जाना चाहिए। लेकिन इस समय तक भी शिक्षा विकास पर हम केवल 2.9 प्रतिशत ही खर्च कर रहे हैं। कहा गया है कि इस बार अर्थात्दृ 2023–24 में हमने शिक्षा विकास पर 1.12 लाख करोड़ रुपया खर्च किया है। लेकिन पीछे मुड़कर देखते हैं तो 2019–20 में भी हमने 94 हजार करोड़ रुपया खर्च कर दिया था। जरूरत है इस समय शिक्षकों को नई डिजिटल शिक्षा के आधार पर प्रशिक्षित किया जाए। चाहे देश में 740 एकलव्य मॉडल रेजिडेंशियल स्कूल बनाने का फैसला किया गया है, जिसमें 38 हजार शिक्षकों को नियुक्ति मिलेगी ताकि शुरू से ही ये शिक्षक जमीनी स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता को बदलें और बेहतर बनाएं। शिक्षक इंग्लैंड, अमेरिका और सिंगापुर में प्रशिक्षण के लिए भेजे जाएं। सिंगापुर शिक्षा के बेहतरीन मॉडल के तौर पर जाना जाता है। इसीलिए पंजाब सरकार ने शिक्षकों के ग्रुप सिंगापुर में भेजे हैं लेकिन समग्र शिक्षा अभियान में सबसे पहले तो शिक्षकों का चयन करने के लिए उनकी सीमा रेखाओं को बड़ा किया जाए और उससे पहले शिक्षकों की कमी तो पूरी की जाए।

प्राथमिक स्तर से लेकर उच्च शिक्षा तक तमाम पद खाली पड़े हैं। कच्चे और अस्थाई अध्यापक काम चला रहे हैं। शिक्षा युग को बदलना है और उससे ज्ञान आधारित अर्थव्यवस्था बनानी है तो यह अस्थाई अध्यापकों की नींव पर नहीं बनेगी। देश में ग्रामीणों को डिजिटल साक्षर बनाने के लिए एकल अभियान शुरू किया गया है। इसके लिए एकल शिक्षा ऑन व्हील बसें देश के 20 से अधिक राज्यों में गांव–गांव घूमकर लोगों को कंप्यूटर से परिचित करवा रही हैं।

नया युग है, इसमें बच्चे ही नहीं बल्कि बड़े भी कंप्यूटर प्रशिक्षण हासिल करने के साथ–साथ निपुण भी होना चाहते हैं। लेकिन क्या जो एकल शिक्षा ऑन व्हील का अभियान शुरू हुआ है, वह काफी होगा? अनुमान है कि इस गाड़ी पर प्रति वर्ष 12 लाख रुपये खर्च होते हैं। इसमें 9 लैपटॉप रहते हैं। एक बार में 18 लोगों के बैठने की व्यवस्था है। वाहन में सौर ऊर्जा से चलने वाले जेनरेटर की भी व्यवस्था है। यहां सर्च इंजन तक का उपयोग करने के लिए सक्षम बनाया जाता है। चाहे अभी यह योजना झारखंड, बिहार, उत्तर प्रदेश से लेकर आंध्र प्रदेश और छत्तीसगढ़ तक राज्यों में चल रही है लेकिन योजना बने कि देश के कोनों में भी ऐसे पक्के डिजिटल शिक्षा केन्द्र स्थापित किए जाएं जो लोगों को डिजिटल साक्षर कर सकें। इस साल 42 हजार लोगों को डिजिटल साक्षर करने का लक्ष्य है। दरअसल, 42 हजार से 42 लाख तक जाने की यात्रा सबके सहयोग से ही पूरी हो सकती है।

सरकार ने अपनी ओर से नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी तो स्थापित कर दी है, जिससे देश के हर उम्र के लोगों को पढ़ने के लिए किताबें और दूसरी सामग्री उपलब्ध हो सकेगी। लेकिन इस डिजिटल लाइब्रेरी को भरने के लिए केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के शोध प्रभागों, नेशनल बुक ट्रस्ट और चिल्ड्रन बुक ट्रस्ट को भी ज्ञान बांटने के डिजिटल युग में प्रवेश करने के लिये पर्याप्त तैयारी करनी पड़ेगी।

देश में प्रधानमंत्री की इस वर्ष 14,500 पी.एम. श्रीस्कूल स्थापित करने की योजना है, जिस पर अगले पांच सालों में 27,360 करोड़ रुपये की लागत आएगी। इससे 20 लाख से अधिक लोगों को फायदा मिलेगा। लेकिन 5 साल के इस अंतराल में जो प्रतीक्षा डिजिटल होने में लोगों को करनी पड़ेगी, उसके लिए अति आवश्यक है कि तत्काल इस दिशा में कदम बढ़ाने के लिए शिक्षा के वर्तमान ढांचे में आमूल–चूल परिवर्तन हो। अर्थात्दृ पाालिटेक्निक से लेकर इंजीनियरिंग तक और आयुर्वेद से लेकर मेडिकल शिक्षा तक कृत्रिम मेधा का वह सहारा दिया जाए कि जिसके बगैर अभी इनके सिलेबस पूरे आधुनिक ज्ञान से पिछड़ रहे हैं। डिजिटल आधारित अर्थव्यवस्था बनानी है तो उसे बनाने की दृष्टि से लेकर कारगुजारी, पुस्तकों और सिलेबस तक सब बदलना पड़ेगा।

लेखक साहित्यकार हैं।

सरकार ने अपनी ओर से नेशनल डिजिटल लाइब्रेरी तो स्थापित कर दी है, जिससे देश के हर उम्र के लोगों को पढ़ने के लिए किताबें और दूसरी सामग्री उपलब्ध हो सकेगी। लेकिन इस डिजिटल लाइब्रेरी को भरने के लिए केन्द्र सरकार और राज्य सरकार के शोध प्रभागों, नेशनल बुक ट्रस्ट और चिल्ड्रन बुक ट्रस्ट को भी ज्ञान बांटने के डिजिटल युग में प्रवेश करने के लिये पर्याप्त तैयारी करनी पड़ेगी।

मालदीव प्रकरण और भारत

—नीरज कुमार दूबे—

भारत हमेशा 'पड़ोस प्रथम नीति' को आगे रखकर चलता है लेकिन यदि पड़ोसी ही आंख दिखाने लगे तो उसे लगे हाथ तगड़ा जवाब भी दे दिया जाता है। कर्ज में डूब चुके मालदीव को भारत ने लगातार आर्थिक मदद देकर उबारा, वहां बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में अपना पैसा लगाया, भुखमरी और महामारी के समय वहां भोजन और वैक्सीन पहुँचाई। वहां के पर्यटन क्षेत्र को खड़ा करने के लिए भारतीयों ने ऐसा योगदान दिया कि माले के सरकारी खजाने में डॉलरों का ढेर लग गया। लेकिन अब वहां जो चीन समर्थक नई सरकार आई है वह लगातार भारत को अपमानित करने का काम कर रही है। भारत ने पहले तो बेहद संयमित रुख अपनाया लेकिन जब मालदीव के तीन मंत्रियों ने भारत के प्रधानमंत्री के खिलाफ अमर्यादित टिप्पणियां कर दीं और भारतीय पर्यटन क्षेत्र का मजाक उड़ाया तो पूरे देश ने एक साथ खड़े होकर मालदीव को ऐसा सबक सिखाया कि वह नजीर बन गया।

प्रधानमंत्री के खिलाफ मालदीव के तीन मंत्रियों की टिप्पणियों से गुस्साये भारतीयों ने मालीदव की यात्रा रद्द करनी शुरू कर दी। होटलों और हवाई टिकटों की बुकिंग रद्द होने लगी और सोशल मीडिया पर बॉयकॉट मालीदव ट्रेंड होने लगा तो माले सरकार घबरा गयी और आनन–फानन में उन तीनों मंत्रियों को निलंबित कर दिया जिन्होंने भारतीय प्रधानमंत्री पर निशाना साधा था। साथ ही मालदीव सरकार ने एक बयान जारी कर यह भी कहा कि मंत्रियों के बयान मालदीव की नीति के अनुरूप नहीं हैं। यही नहीं, मालदीव की पूर्व सरकार के मंत्रियों और पूर्व राष्ट्रपतियों ने भी अपने ही देश की सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया और भरोसेमंद पड़ोसी भारत के खिलाफ की गयी टिप्पणियों को 'अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मारने' के समान बताया।

जो लोग 'नया भारत' क्या है, यह बात आज तक नहीं समझे हैं उन्हें जरा उन टिप्पणियों पर गौर फरमा लेना चाहिए जो श्बॉयकॉट मालीदवश या श्पहले भारत के द्वीपों की सैर करोश जैसे हैशटैग के साथ लिखी गयी हैं। जिस तरह फिल्म उद्योग, खेल जगत और अन्य क्षेत्रों की हस्तियों ने प्रधानमंत्री के समर्थन में टिप्पणियां करते हुए मालदीव को खरी खरी सुनाई है उससे माले के पूरे पर्यटन उद्योग को दिन में तारे दिख गये हैं। भारतीयों के रुख को देखते हुए अन्य देशों ने भी बड़ी प्रेरणा ली होगी क्योंकि आज के समय में भारतीय नागरिक ही कई देशों की पर्यटन अर्थव्यवस्था में जान फूंक रहे हैं। इसके अलावा इस पूरे प्रकरण से लक्षद्वीप के पर्यटन को भी नये पंख लगना तय हो गया है क्योंकि अधिकतर लोगों ने वहां की यात्रा की इच्छा जताई है। आने वाले दिनों में संभव है कि वहां के लिए अधिक से अधिक फ्लाइटें शुरू हो जाएं ताकि लोग आसानी से वहां पहुँच सकें।जहां तक मालदीव के मंत्रियों की टिप्पणियों पर भारत के आधिकारिक रुख की बात है तो भारतीय उच्चायोग के स्तर पर तत्काल ही आपत्ति जता दी गयी थी लेकिन अब भारत में मालदीव के राजदूत को विदेश मंत्रालय में तलब कर भी अच्छी तरह से सुना दिया गया है और मालदीव के कई मंत्रियों द्वारा प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के खिलाफ सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई टिप्पणियों पर कड़ी चिंता व्यक्त की गई। हालांकि मालदीव सरकार अपने बचाव में तर्क दे रही है कि मोदी के खिलाफ अपमानजनक सोशल मीडिया पोस्ट को लेकर रविवार को ही तीन उप मंत्रियों को निलंबित कर दिया गया है। हम आपको बता दें कि तीनों उप मंत्रियों ने लक्षद्वीप की यात्रा के बाद 'एक्स' पर प्रधानमंत्री की ओर से की गयी पोस्ट के लिए उनकी आलोचना की थी और कहा था कि यह केंद्र शासित प्रदेश को मालदीव के वैकल्पिक पर्यटन स्थल के रूप में पेश करने का एक प्रयास है।

मोदी ने कलयुग में त्रेतायुग ला दिया, राहुल गांधी पर कसा तंज

संवाददाता—गोण्डा। बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह अपने जन्मदिन के अवसर पर एक बार फिर मीडिया से मुखातिब हुए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी ने कलयुग में त्रेता युग लगा दिया है। राहुल गांधी को लेकर उन्होंने करारा तंज कसा कहां की राहुल गांधी को एक छात्र नेता को जितनी समझ होती है। उतनी भी समझ नहीं है। इसीलिए विपक्ष दिन प्रतिदिन मैदान से बाहर होता जा रहा है। ऐसा लगता है कि यह लोग दिल्ली यूनिवर्सिटी के टुकड़े—टुकड़े गैंग के लीडर हैं। बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह नंदिनी नगर में आयोजित अपने जन्म दिवस पर युवा ज्ञान शक्ति संगम समारोह मे शामिल होने के बाद मीडिया के सवालों का जवाब देते हुए कहां कि अभी तक विपक्ष राम मंदिर को लेकर राजनीति कर रहा था। यह लोग कहते थे। राम लला हम आएंगे। मंदिर वहीं बनाएंगे। और तारीख नहीं बताएंगे। अब जब तारीख आ गई है। तब इनका दर्द बदल गया है। सांसद ने कहा कि यह कोई आज की बात नहीं है। यह हमेशा रहा है। दैत्य और देवताओं का भी युद्ध हुआ है। विचारधारा का हमेशा संघर्ष चलता रहा है। लेकिन जीत हमेशा सनातन की हुई हैं। इतिहास गवाह है कि सत्य के मार्ग पर चलने वालों की ही हमेशा जीत हुई है। उन्होंने कहा कि मोदी जी ने कलयुग में त्रेता युग ला दिया है। धरती पर सृष्टि की उत्पत्ति ब्रह्मा जी से मानी जाती है। इस तरह सतयुग त्रेता द्वापर के बाद कलयुग का नंबर आता है। केवल पांच हजार वर्ष हजार वर्ष है। लेकिन हम यह कह सकते है कि कलयुग और त्रेता कि जो दूरी थी। उसको मोदी जी ने पूरा कर दिया है। 22 जनवरी जैसे जैसे नजदीक आ रहा है। हम कलयुग से त्रेतायुग मे पंहुच रहे हैं। ऐसा माहौल देश के अंदर बन चुका है।

लोकसभा चुनाव 2024 को लेकर कहां की विपक्ष इस तरह की राजनीति कर रहा है। जैसे वह किसी यूनिवर्सिटी का लीडर हो। विशेष कर दिल्ली यूनिवर्सिटी और टुकड़े—टुकड़े गैंग का लीडर हो। एक सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि कोरोना की दवाई, सर्जिकल स्ट्राइक, राम मंदिर पर सवाल उठाकर यह लोग धीरे—धीरे पीछे हटते जा रहे हैं। स्थित तो यहां तक पहुंच गई है। कि लड़ाई से भी बाहर हो रहे हैं।

बीजेपी सांसद बृजभूषण सिंह ने राहुल गांधी के न्याय यात्रा पर पूछे गए सवाल के जवाब में कहा कि मैंने पहले ही कह दिया है कि राहुल गांधी को जितना एक छात्र नेता को समझ होती है। उतनी भी समझ नहीं है। यदि उतनी समझ होती तो सर्जिकल स्ट्राइक और राम मंदिर पर सवाल नहीं उठाते। इंडोनेशिया सहित देश—विदेश में राम को अपनाये जाने के मामले पर बृजभूषण सिंह ने कहा कि जिनको परेशानी हो रही है। वह शर्म करें। मोदी जी ने कलयुग में त्रेता युग ला दिया है। 22 तारीख को धरती पर त्रेता युग आने वाला है।

स्नातक की छात्रा ने किराये के कमरे में लगाई फांसी

संवाददाता—महराजगंज। शहर के शास्त्री नगर वार्ड में किराया पर कमरा लेकर स्नातक की पढ़ाई करने वाली एक छात्रा फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी। किराए के कमरे में उसका शव फंदे से लटकता मिला। सूचना पर मौके पर पहुंचे कलक्ट्रेट पुलिस चौकी के इंचार्ज दुर्गेश सिंह ने पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। इस घटना से परिजन बदहवाश हैं। घटना रविवार की देर रात हुई। पनियरा क्षेत्र की युवती शहर के शास्त्रीनगर वार्ड में किराया पर कमरा लेकर शहर के एक महाविद्यालय में स्नातक द्वितीय की पढ़ाई कर रही थी। कमरे में वह अकेले ही रहती थी। परिजन कभी—कभार आते थे। पिता विदेश में रहते हैं। घर पर मां व छोटा भाई रहता है। रविवार की रात में परिजनों ने छात्रा को कई बार फोन किए, लेकिन काल रिसीव नहीं हुआ। इसके बाद परिजन मकान मालिक को फोन किए। मकान मालिक कमरे में पहुंचे। वहां छात्रा का शव फंदे के सहारे लटक रहा था। घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली पुलिस व कलक्ट्रेट चौकी इंचार्ज दुर्गेश सिंह पुलिस कर्मियों के साथ मौके पर पहुंचे। शव को फंदे से उतारा गया। पंचनामा के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया।

छात्रा की मौत के मामले से परिजन बदहवास हैं। उनका कहना है कि वह पढ़—लिखकर एक काबिल अफसर बनना चाहती है। पढ़ाई में सहूलियत के लिए शास्त्रीनगर में किराया पर कमरा लेकर रह रही थी। हंसमुख थी। उसे किसी बात की कोई परेशानी भी नहीं थी। परिजन सभी जरूरतें आसानी से पूरी कर रहे थे। ऐसे में छात्रा मौत को अपने गले क्यों लगाई, इसको पता करने के लिए जांच—पड़ताल पुलिस शुरू कर दी है। छात्रा के परिचितों व दोस्तों से पूछताछ शुरू कर दी है। इस बात की भी जांच की जा रही है कि कहीं आत्महत्या के लिए मजबूर होने के लिए किसी ने उत्प्रेरित तो नहीं है। जांच—पड़ताल के बाद अग्रिम विधिक कार्रवाई की जाएगी।

आनंद गुप्ता—प्रभारी निरीक्षक कोतवाली ने कहा कि शहर के शास्त्रीनगर वार्ड में किराया के कमरे में स्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा का शव फंदे से लटकता मिला। उसे कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। जांच—पड़ताल कराई जा रही है।

अयोध्या में रामोत्सव को लेकर प्रशासन ने शुरू की तैयारी

संवाददाता—गोण्डा। अयोध्या में राम मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा की तैयारी चल रही है। ऐसे में गोंडा से सटा होने के कारण प्रशासन ने यहां भी तैयारी शुरू कर दी है। अतिथियों के स्वागत में गोनार्द को सजाने की तैयारी शुरू हो गई है। इसके लिए अयोध्या से जुड़ने वाले सभी मार्गों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा। इसके अलावा यह सारी व्यवस्थाएं चुस्त दुरुस्त की जाएगी। आगामी 22 जनवरी 2024 को अयोध्या में 'रामोत्सव' की तैयारियां जनपद में भी शुरू हो गई है। इसका उत्सव का आयोजन वैश्विक स्तर पर किया जा रहा है। कार्यक्रम में देशविदेश से बड़ी संख्या में विशिष्ट महानुभाओं का आगमन होगा। गोण्डा जिला अयोध्या का सीमावर्ती जिला है। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने काफी संख्या में लोगों का यहां पहुंचने की संभावनाओं को देखते हुए जनपद में विशेष इंतजाम करने के निर्देश दिए हैं। डीएम ने साफ किया है कि इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही स्वीकार्य नहीं होगी।

डीएम ने जिला पंचायत राज अधिकारी, सम्बन्धित खण्ड विकास अधिकारीगण एवं अधिशासी अधिकारीगण को अयोध्या से जुड़ने वाले सभी मार्गों पर विशेष स्वच्छता अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने साफ किया है कि किसी भी मार्ग पर झाड़ियां, कचरा,गंदगी न रहे। रोड के मीडियन, साइड पटरी, सार्वजनिक स्थल, बाजारों, हाटों एवं वाटर बाडीज के निकट किसी भी दशा में कचरे कूड़े के ढेर न दिखें। सभी गार्बेज वल्नरेबुल प्वाइंट्स का पूर्णतः विलोपन सुनिश्चित कर उसकी निरन्तरता को बनाए रखने हेतु उन स्थानों का स्थायी रूप से सौंदर्यीकरण भी कराया जाना अति आवश्यक है। सार्वजनिक शौचालयों में समुचित सफाई व्यवस्था सुनिश्चित कराई जाए। जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने अधिशासी अभियन्ता, लोक निर्माण विभाग, प्रान्तीय खण्डनिर्माण खण्ड—1 एवं निर्माण खण्ड—2 एवं अधिशासी अभियन्ता, राष्ट्रीय मार्ग प्रखण्ड—अयोध्या को निर्देशित किया है कि प्रमुख राजमार्गों की आवश्यक मरम्मत का कार्य 15 जनवरी 2023 तक प्रत्येक दशा में पूर्ण हो जाए। अयोध्या से जुड़ने वाले किसी मार्ग पर गड्ढे न रहें। सभी प्रकार के अतिक्रमण भी हटवाकर सम्बन्धित मार्गों का अनुरक्षण सुनिश्चित किया जाए। प्रभागीय वनाधिकारी, वनप्रभाग गोण्डा को लखनऊ—गोण्डा—अयोध्या राजमार्ग पर कराए गए वृक्षारोपण में से जो पौधे सूख गए हैं। उनके स्थान पर दूसरे पौधे लगवाकर उन्हें व्यवस्थित कराना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही ऐसे ट्री—गार्ड, जो निष्प्रयोज्य हो चुके हैं उनको हटाने का कार्य कराने के निर्देश दिए गए हैं। वहीं, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी जनपद में रोड साइड में विशेषकर लखनऊ—गोण्डा—अयोध्या मार्ग पर संचालित ढाबों/होटल, रेस्टोरेंट्स में खाद्य पदार्थों की जांच करा यह सुनिश्चित करेंगे। कहीं भी अपमिश्रित खाद्य सामग्री की बिक्री भण्डारण न हो। जिलाधिकारी ने बताया कि जिला पूर्ति अधिकारी, ऑयल कम्पनी के अधिकारियों से समन्वयन करते हुए यह सुनिश्चित करेंगे कि रोड साइड में संचालित समस्त पेट्रोल पम्प पर टायलेट्स का रखरखाव वैश्विक स्तर का हो। अच्छी तरह साफ—स्वच्छ स्थिति में रखे जाएं और वहां पहुंचने वाले किसी व्यक्ति को इनके उपयोग में असुविधा न हो।

अपर पुलिस अधीक्षक, गोण्डा आपरेशन त्रिनेत्र के अन्तर्गत कृपया यह सुनिश्चित कर लें कि विभिन्न चौराहों/बाजार क्षेत्र में स्थापित किए गए समस्त सी.सी.टी.वी. क्रियाशील स्थिति में रहें। साथ ही साथ पी.आर. वी. को अलर्ट मोड में रखा जाए, ताकि किसी आकस्मिकता की स्थिति में त्वरित कार्यवाही हो सके। ट्रैफिक प्रबन्धन भी सुदृढ़ रखा जाए। वहीं, क्षेत्रीय प्रबन्धक, उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम गोण्डा यह सुनिश्चित करेंगे कि अयोध्या को जाने वाली निगम की बसें अच्छी स्थिति में हों। समीपवर्ती बस—स्टेण्ड पर सभी सुविधाएं पर्याप्त हों तथा संचालित हो रही बसों की साफ—सफाई पर विशेष ध्यान दिया जाए, ताकि यात्रियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने पाए। जिलाधिकारी ने बताया कि मुख्य पशु चिकित्सा अधिकारी, सभी खण्ड विकास अधिकारीगण, जिला पंचायत राज अधिकारी एवं अधिशासी अधिकारियों के सहयोग से विशेष अभियान के तहत जनपद सीमान्तर्गत सभी राजमार्गों, विशेषकर लखनऊ—गोण्डा—अयोध्या मार्ग पर निराश्रित गोवंश के विचरण पर प्रभावी रोकथाम सुनिश्चित करेंगे तथा ऐसे गोवंश को निकटवर्ती गो—आश्रयस्थलों पर संरक्षित करायेंगे। यह कार्य प्राथमिकता के आधार पर सम्पन्न कराया जाए। ताकि आवागमन में बाधा और दुर्घटनाओं से बचा जा सके।

ज्ञान—आस्था—भक्ति की त्रिवेणी से सजा महोत्सव

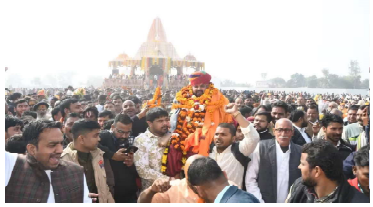

संवाददाता—गोण्डा। नन्दिनी का आंगन सोमवार को ज्ञान—भक्ति और आस्था की त्रिवेणी से सरोबार रहा। गोमाता नन्दिनी के प्राण— प्रतिष्ठा के लिए से ही वैदिक मंत्रोच्चारण की गूंजने लगे। तकरीबन साढ़े दस बजे सांसद कैसरगंज बृजभूषण शरण सिंह का काफिला पहुंचा तो समूचा वातावरण जय श्रीराम के उद्घोष से गूंजायमान हो उठा। मंदिर को आम लोगों के दर्शनार्थ खोले जाने के बाद स्टेडियम में बने विशेष मंच पर पहुंच कर सांसद लोगों का अभिवादन स्वीकार किया। इस मौके पर दूसरी ओर बने विशाल मंच से सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ जन्मदिवस समारोह की शुरुआत। दोपहर बाद मेधावी छात्र—छात्राओं के सम्मान के साथ समारोह का समापन हुआ। सांसद को बधाई देने के लिए देरशाम तक लोगों का तांता लगा रहा। सांसद के मन्दिर समारोह में पहुंचे अयोध्या के सैकड़ों साधु—संतों के पीताम्बर वस्त्र से नन्दिनी की फिजां पूरी तरह से केसरिया रंग में डूबी नजर आई। मन्दिर परिसर से स्टेडियम तक चहुंओर युवा संत और गुरुकुल की छात्राओं का जमावड़ा रहा। अयोध्या से पधारे सभी प्रमुख महंतों का सम्मान मंच पर साफा बांधकर किया गया। हजारों स्कूली बच्चे भी आयोजन में हिस्सा लेने पहुंचे। बधाई के मंगलध्वनि से हुई विश्नोहरपुर की सुबहस विश्नोहरपुर के गांव के सोमवार की सुबह बधाई के मंगलध्वनि से हुई। अलसुबह तमाम लोग सांसद आवास के मुख्य प्रवेश पर पहुंचकर उनके घर से बाहर निकलने का इंतजार करने लगे। सांसद के बाहर आते ही आवासीय परिसर में स्थित इंडोर स्टेडियम में करीब दस बजे तक बधाई देने वालो का तांता लगा रहा। इनमें जनप्रतिनिधि, ब्लाक प्रमुख, प्रधान, शिक्षक और छात्र—छात्राओं समेत स्थानीय लोग भी शामिल रहें। वाहनों के विशाल काफिले के साथ नन्दिनी के लिए निकले सांसद का नवाबगंज कस्बे मे भी चेयरमैन सत्येन्द्र सिंह की अगुवाई में जगह— जगह स्वागत किया। नन्दिनी में उपस्थित माननीयों में विधायक रमापति शास्त्री रमापति शास्त्री, बावन सिंह, प्रेम नारायण पाण्डेय, प्रतीक भूषण सिंह, पलटूराम, अजय सिंह, एमएलसी अवधेश प्रताप सिंह उर्फ मंजू सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष धनश्याम मिश्रा, सुमित भूषण सिंह, पंकज सिंह, आशीष मिश्रा समेत सैकड़ों प्रधान रहे। समारोह में रघुकुल विद्यापीठ के छात्र—छात्राओं के साथ ही विभिन्न जिलों से आए कलाकारों ने देश के अलग—अलग राज्यों की सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति से सभी का मन मोह लिया। इस दौरान प्रभु श्रीराम के जीवन पर भी आधारित भजन—कीर्तन व नृत्य कार्यक्रम हुए। बाबा विश्वनाथ के नगरी से आए वादकों की युगलबंदी भी को भी खूब सराहा गया।

मोदी की गारंटी वाली गाड़ी जहां जा रही लोगों का विश्वास बढ़ा रही-पंकज चौधरी

—भारतीय बस्ती संवाददाता— महराजगंज। जिले के विकास खंड मिठौरा के ग्राम सभा औराटार और विकास खंड निचलौल के टिकुलहिया में संचालित विकसित भारत संकल्प यात्रा कार्यक्रम को संबोधित करते हुए केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने कहा कि शासन की मंशा के अनुरूप बिना भेदभाव के सभी गरीबों को योजनाओं का लाभ मिल रहा है। विपक्ष पर निशाना साधते हुए उन्होंने कहा कि पहले गरीबों के राशन पर डकैती और भ्रष्टाचार का बोलबाला होता था, गरीब को राशन नहीं मिलता था, आज देश में 80 करोड़ और यूपी में 15 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन मिल रहा है। 2014 में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश की बागडोर संभाली। प्रधानमंत्री बनने पर उन्होंने 140 करोड़ लोगों को परिवार की तरह समझकर भलाई का काम किया जिसके परिणाम स्वरूप देश की जनता उनके आह्वान पर लगातार बीजेपी को आशीर्वाद प्रदान कर रही है।उन्होंने कहा कि डबल इंजन की सरकार के नहीं होने से लोगों को शौचालय, आवास, राशन, स्वास्थ्य, सड़क, बिजली के लिए भटकना पड़ता था। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश की तस्वीर और तकदीर दोनों बदली है। उनके नेतृत्व में भारत का सम्मान बढ़ा है और देश की सीमाएं सुरक्षित हुई हैं। भारत में आज वैश्विक स्तर का इंफ्रास्ट्रक्चर, हाइवे, रेलवे, एयरपोर्ट का निर्माण हो रहा है। एम्स और फर्टिलाइजर के कारखाने बन रहे हैं ।जनता की सुविधा के लिए प्रत्येक गांव को सड़क, पेयजल जैसी योजनाओं से जोड़ने का काम हो रहा है।आने वाले 22 जनवरी 2024 का दिन सुनहरे अक्षरों में दर्ज किया जाएगा क्योंकि इस दिन 500 साल बाद अयोध्या में रामलला अपने भव्य राम मंदिर में विराजित होंगे । पूरी दुनिया इस ऐतिहासिक पल की साक्षी बनेगी। अयोध्या में राम मंदिर के लिए करीब

पांच शताब्दियों का इंतजार खत्म होने वाला है। उस दिन सभी लोग अपने अपने घरों में कम से कम 5 – 5 दिए अवश्य जलाएं। क्षेत्रीय उपाध्यक्ष विश्वजीत सिंह आशु ने कहा कि केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन की सरकार सबका साथ सबका विकास सबका प्रयास और सबका विश्वास के मंत्र के साथ राम राज्य की परिकल्पना को साकार करने का कार्य कर रही है। आज 500 वर्षों के कलंक को धोने का कार्य भी यशस्वी प्रधानमंत्री और यशस्वी मुख्यमंत्री के नेतृत्व में होने जा रहा है।आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में भव्य राम मंदिर में प्रभु श्री राम की प्राण प्रतिष्ठा सम्पन्न होने जा रही है। एक तरफ अपनी संस्कृति को संरक्षित करने का कार्य हो रहा है तो दूसरी तरफ समाज के हर वर्ग के विकास और उत्थान के लिए भी सरकार अनेको जनकल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से प्रयास कर रही है।जबकि पूर्व की सरकारों ने केवल भ्रष्टाचार के दलदल में फसी रहती थी। सपा बसपा और कांग्रेस की हर योजना तुष्टिकरण की चाशनी में डूबी रहती थी। आज भी उनके भ्रष्टाचार के प्रमाण सामने आ रहे है। उनके नेताओ के यहां नोट की गड्डियां मिल रही है। नेता मंत्री जेलों में है। इस अवसर पर सदर विधायक जय मंगल कन्नौजिया ने कहा कि पीएम मोदी के संकल्पों के अनुरूप सरकार की योजनाएं वंचितों, गरीबों, दलितों को लाभ दिलाते हुए उनके जीवन मे परिवर्तन का माध्यम बन रही है। उन्होंने कहा कि योजनाओं का लाभ हर पात्र व्यक्ति तक पहुंचाकर हम सबको 2047 तक भारत को दुनिया की सबसे बड़ी ताकत बनाने के पीएम मोदी के संकल्प में अपना योगदान देना है।मोदी की गारंटी वैन इसी बात की गारंटी दे रही है। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री ने गोदभराई, अन्नप्राशन संस्कार, विभिन्न विभाग के लाभार्थियों को योजनाओं को प्रमाण पत्र वितरित किया। केन्द्रीय मंत्री ने कार्यक्रम स्थल पर अलग अलग विभागों के स्टालो का निरीक्षण किया। कार्यक्रम के बीच मे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का लाइव प्रसारण उपस्थित जनसमुदाय को दिखाया गया। इस अवसर पर भाजपा जिलाध्यक्ष संजय पाण्डेय, जिला पंचायत अध्यक्ष रविकांत पटेल, सीडीओ संतोष कुमार राय,एसडीएम पंकज कुमार,बीडीओ शमा सिंह, एडीओ पंचायत सुरेश चंद्र कन्नौजिया, एपीओ शिवेन्द्र सूर्यवंशी,एपीओ रवींद्र बहादुर, अध्यक्ष शैलेश पाण्डेय, मंडल अध्यक्ष अनिल गुप्ता,रामहरख गुप्ता,प्रमुख प्रतिनिधि अम्बरीष यादव, अनिल जोशी, अरुणेश शुक्ल, प्रदीप उपाध्याय,दुर्गा गुप्ता, एनडी उपाध्याय, प्रेम उपाध्याय, करुणेश बर्मा, करुणेश गुप्ता, विजय सिंह, राजन गुप्ता, ग्राम प्रधान राम अवतार भारती, ओमप्रकाश बर्मा सहित हजारो लोग मौजूद रहे।

स्वास्थ्य मेले में अनुपस्थित नौ कर्मियों का रोका वेतन

संवाददाता—बलरामपुर। जिले के सभी सामुदायिक एवं प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों पर रविवार को आयुष्मान भव स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में 4759 लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण कर उन्हें दवाएं दी गई। सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र तुलसीपुर में लगे स्वास्थ्य मेले का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान चिकित्सक समेत नौ कर्मी अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित पाए गए चिकित्सक व कर्मियों का वेतन रोकने का निर्देश सीएमओ ने सीएचसी अधीक्षक को दिया है। सीएमओ डॉ. मुकेश कुमार रस्तोगी ने बताया कि रविवार को जिले के सभी स्वास्थ्य केन्द्रों पर आयुष्मान भव स्वास्थ्य मेले का आयोजन किया गया। मेले में रविवार को 4759 लोगों का उपचार किया गया है। सभी जगहों पर स्वास्थ्य मेले के प्रचार प्रसार को और व्यापक करने का निर्देश दिया गया है। सीएमओ ने सीएचसी तुलसीपुर में लगे मेले का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान नौ लोग अनुपस्थित पाए गए। अनुपस्थित मिले सभी का वेतन रोकने का निर्देश सीएचसी तुलसीपुर के अधीक्षक डॉ. सुमंत सिंह चौहान को दिया गया है। इसके उपरान्त सीएमओ ने तुलसीपुर में निर्माणाधीन जनपद स्तरीय ड्रग वेयर हाउस का निरीक्षण किया।

भारत— नेपाल सीमा पर एडीजी ने किया निरीक्षण, दिया आवश्यक निर्देश

—भारतीय बस्ती संवाददाता— महराजगंज। अयोध्या में 22 जनवरी को भगवान रामलला की प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखते हुए भारत —नेपाल सीमा पर सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेने के लिए गोरखपुर जोन के एडीजी डॉक्टर केएस प्रताप कुमार सोमवार को सोनौली सीमा के दौरे पर पहुंचे। इस दौरान उन्होंने भारत नेपाल सीमा के नोमैन्सलैंड का निरीक्षण किया और सीमा पर तैनात विभिन्न सुरक्षा एजेंसी के अधिकारियों से बॉर्डर के सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली। एडीजी ने बॉर्डर के निरीक्षण के बाद एसएसबी की 22वीं बटालियन सीमा चौकी पर एसएसबी, पुलिस, कस्टम एवं विभिन्न खुफिया एजेंसियों के अधिकारियों के साथ एक बैठक की और आगामी 22 जनवरी को अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को देखते हुए विशेष सुरक्षा व्यवस्था बरतने के दिशा निर्देश दिए। पत्रकारों से बातचीत करते हुए एडीजी ने बताया कि अयोध्या में आयोजित प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम को लेकर सीमा पर तैनात विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के साथ बॉर्डर की सुरक्षा व्यवस्था की जानकारी ली गई है। बॉर्डर की सुरक्षा व्यवस्था की कार्य योजना तैयार की गई है जो अमल में लाई जाएगी। सीमा पर वैध एवं अवैध रास्तों पर आने जाने वाले लोगों की जांच व जॉइंट पेट्रोलिंग के साथ ही बॉर्डर के इलाके के होटल व ढाबों पर भी जांच व कड़ी नजर रखी जाएगी।

लेखपालों की कमी से चारों तहसील में भटक रहे वादकारी और किसान

संवाददाता—गोण्डा। सदर तहसील परिसर स्थित लेखपाल संघ भवन के बाहर सोमवार को कई फरियादी खड़े दिखाई दिए। पूछे जाने पर किसानों और अन्य लोगों ने बताया कि लेखपाल ने यहीं मिलने को कहा है। काफी देर इंतजार करने के बाद साइकिल से आई छात्रा डाली मिश्रा लौटने लगी। पूछने पर बताया कि ईडब्ल्यूएस प्रमाणपत्र में रिपोर्ट लगवाने के लिए कई दिनों से भटक रहीं हूं। लेखपालों की खोज में डाली मिश्रा ही नहीं जिले के सैकड़ों के लोग रोज परेशान होते हैं। इस समस्या की जड़ है, जिले में लेखपालों का टोटा। जिले में स्वीकृत 548 पदों के सापेक्ष 245 लेखपाल चारों तहसीलों में तैनात हैं।

जिले में लेखपालों की कमी से किसानों, वादकारियों व वकीलों को काम करवाने के लिए नाकों चने चबाने पड़ रहे हैं। किसान खेती से संबंधित मामलों को लेकर तहसील का चक्कर लगा रहा है तो वादकारी नामांतरण आदेश में बयान के लिए लेखपाल को ढूंढ रहा है। काम के बोझ के बीच लेखपाल भी हांफ रहे हैं वहीं जनता अपने काम न होने पर पस्त हो रही है। वरासत, दाखिल खारिज, नामांतरण आदेश में बयान, आय, जाति , निवास, ईडब्ल्यूएस, किसान दुर्घटना बीमा, सीमांकन, हदबरारी, भूमि विवाद, जल निकासी मार्ग, चकमार्गों को खाली कराने आदि काम बगैर लेखपाल नहीं हो सकते हैं। फील्ड में रहने वाले लेखपालों को तहसील मुख्यालयों से ही नहीं फुर्सत मिलती तो वह किसानों को कहां से मिलें। ग्राम पंचायत अकमा, के बेचन , केशव पुर पहड़वा के संदीप, पारासराय के रामलोचन ने बताया कि वह वरासत के लिए करीब एक साल से दौड़ रहे हैं लेकिन लेखपाल मिलते ही नहीं हैं। वहीं तहसील सदर के नारायणपुर ईंधा, पड़री कृपाल तथा कपूर पुर के किसानों ने बताया कि नामांतरण आदेश में लेखपाल का बयान होना है परन्तु वह ढूंढने से नहीं मिल रहे हैं। जिले की चारों तहसीलों में रिक्ति है 303 पदरू भूलेख अधिकारी ने बताया कि चारों तहसीलों में 32 लेखपालों की बीते दिनों राजस्व निरीक्षक के पद पर प्रोन्नति हुई थी। इसके बाद लेखपालों की कमी और बढ़ गई।

अब लेखपाल के रिक्त पदों की संख्या तीन सौ तीन हो गई है। राजस्व निरीक्षकों के कुल 74 पद जिले में स्वीकृत हैं। इनके भी तमाम पद खाली हैं। बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष विंदेश्वरी प्रसाद दूबे, रवि चंद्र त्रिपाठी व जमील अहमद ने बताया कि वरासत का बयान हो बैनामा छोटे छोटे कार्यों के लिए भी महीनों तहसील का चक्कर काटना पड़ता है। अफसरों की अनदेखी का खामियाजा गरीब, मजदूर व किसानों को भुगतना पड़ रहा है।

मूर्ति निर्माण स्थल से होगा पूजन का शुभारंभ

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। श्री राम लला की मूर्ति का जिस कुटिया में निर्माण किया गया 16 जनवरी को पूजन का प्रारंभ इसी कर्म कुटी से होगा। इसके बाद मूर्ति का निर्माण करने वाले शिल्पी का प्रायश्चित पूजन होगा।विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता और धर्माचार्य संपर्क प्रमुख अशोक तिवारी ने बताया कि 17 फरवरी को श्री विग्रह का परिसर भ्रमण कराया जाएगा तथा गर्भगृह का शुद्धिकरण होगा। उन्होंने बताया कि 18 जनवरी से अधिवास प्रारंभ होगा दोनों समय जलाधिवास होगा साथ ही सुगंधि और गंधाधिवास भी होगा। 19 जनवरी को प्रातः फल अधिवास और शाम को धान्य अधिवास होगा। इसी तरह 20 जनवरी को सुबह पुष्प और रत्न अधिवास शाम को घृत अधिवास होगा श्री तिवारी के अनुसार 21 जनवरी को प्रातरू शर्करा, मिष्ठान और मधु अधिवास होगा,शाम को औषधि और शय्या अधिवास होगा भगवान राम सूर्यवंशी हैं और आदित्य भी द्वादश हैं इसलिए द्वादश अधिवास हो रहे हैं।इसके अलावा सोलह से 22 जनवरी तक चतुर्वेद यज्ञ होगा। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के ब्रह्मा गणेश्वर शास्त्री द्राविड़, प्रमुख आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित सुनील दीक्षित, गजानंद जोगकर, अनुपम दीक्षित, घटाटे गुरुजी प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान संपन्न कराएंगे इसमें 11 यजमान भी होंगे । 22 जनवरी को मध्य दिवस में श्री राम लला के विग्रह की आंखों से पट्टी खोली जाएगी और उन्हें दर्पण दिखाया जाएगा।

अयोध्या नगर निगम को मिला लाइव सपोर्टिंग एम्बुलेंस के साथ शववाहन

—भारतीय बस्ती संवाददाता— अयोध्या। स्वामी सत्यप्रकाशानन्द शिव मन्दिर के ट्रस्ट के अध्यक्ष स्वामी सत्यप्रकाशानन्द महाराज के निर्देश पर गुरु शिष्य अमेरिका निवासी मोहन नायर और उनकी पत्नी पिंकी नायर द्वारा अयोध्या नगर निगम को लाइफ सपोर्टिंग इंप्लीमेंट से सुसज्जित एंबुलेंस बैन के साथ गुरु शिष्य ओमप्रकाश मेहता और उनकी पत्नी स्नेह लता मेहता द्वारा शव वाहन महाराज जी के अयोध्या आश्रम परिक्रमा मार्ग स्थित आदित्य भवन में सौंपा गया। दोनों वाहनों को श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चंपत राय हनुमान बाग के महंत जगदीश दास ने हरी झंडी दिखा करके रवाना किया इस अवसर पर अयोध्या नगर निगम के महापौर तीन कलशा तिवारी मंदिर के महंत गिरीश पति त्रिपाठी भी मौजूद रहे।

महंत गिरीश त्रिपाठी ने बताया कि इसके पूर्व आदित्य भवन के श्री महाराज जी ने नगर निगम को गैस से संचालित शव दाह बनवाने के लिए एक करोड़ रुपया दे चुके हैं जो लगभग बनकर तैयार है और

आज दो वाहनों को नगर निगम को समर्पित किया गया है इससे नगर निगम को बहुत सहयोग मिलेगा और इसका लाभ अयोध्यावासी उठाएंगे नगर निगम बहुत जल्द इसका संचालन प्रारंभ करेगी। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने कहा कि यह बहुत अनेक कार्य है और अयोध्या वासियों को इससे बहुत लाभ प्राप्त होगा। किसी का जीवन बचाना ही सबसे पुण्य का काम है। हरिओम राय ने बताया कि आदित्य भवन के महाराज जी के निर्देश पर यहां से जुड़े शिष्यों ने नगर निगम को एक लाइव सपोर्टिंग एम्बुलेंस और शववाहन अयोध्या नगर निगम को समर्पित किया है अयोध्या वासियों की सेवा के लिए इसके पूर्व श्री महाराज जी के आदेश पर अयोध्या में गैस द्वारा संचालित शवदाह के लिए भी एक करोड़ रुपया समर्पित किया गया था जो अब बनकर तैयार है कुछ ही दिन में सेवाएं प्रदान करेगा और इन दोनों वाहनों से अयोध्या के संतों महंतों के साथ यहां के लोगों की सेवा होगी यही महाराज जी की इच्छा है। इस अवसर पर ट्रस्टी

नवीन कुमार सावरक्रिया,नरेन्द्र कुमार कोठारी सुनील दास विनोद पाठक विहिप मीडिया प्रभारी शरद शर्मा सहित अन्य लोग मौजूद रहे।

भूख हड़ताल कर कर्मचारियों ने भरी हुंकार

संवाददाता–गोरखपुर। राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली मंच (एनजेसीए) के संयोजक विनोद राय ने कहा कि पुरानी पेंशन का मुद्दा आज राष्ट्र का सबसे ज्वलंत मुद्दा है, लेकिन वर्तमान की कर्मचारी विरोधी सरकार हमारे आंदोलन को कुचल कर हमारा हक मारना चाहती है, लेकिन हम चुप बैठने वाले नहीं हैं। हम पुरानी पेंशन के इस लड़ाई को अंतिम सांस तक लड़ेंगे और अपने इस संवैधानिक हक को प्राप्त कर के ही मानेंगे। एनएफआईआर के राष्ट्रीय महामंत्री नेता एम राघवैया, शिव गोपाल मिश्र और राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष हरि किशोर तिवारी के आह्वान पर सोमवार को राष्ट्रीय पुरानी पेंशन बहाली मंच के जिला सयोजक विनोद राय और राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के जिला अध्यक्ष और सह संयोजक रूपेश कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में मंडल के सभी जिलों के पदाधिकारी रेलवे स्टेशन गेट नंबर एक पूर्वोत्तर रेलवे कर्मचारी संघ भवन के पास भूख हड़ताल पर बैठे। अपने संबोधन में सह संयोजक रूपेश कुमार श्रीवास्तव ने कहा की हम बरसों से अपने सरकार से अपना संवैधानिक हक मांग रहे हैं। यह गूंगी बहरी सरकार सुनने को तैयार नहीं है। हम कर्मचारियों को एनपीएस की आग में झोंक दिया गया है, वही सभी माननीयों जैसे सांसद, विधायक, विधान परिषद सदस्य, आईएएस आफिसर तथा सभी जजों के लिए पुरानी पेंशन व्यवस्था लागू है। हम सरकार से यह मांग करते हैं कि देश में वन नेशन वन पेंशन व्यवस्था लागू करे और व्यवस्थापिका की तरह कार्यपालिका में भी पुरानी पेंशन बहाल करें। वरिष्ठ उपाध्यक्ष राजेश सिंह ने कहा कि सरकार हमारे सब्र का इम्तहान ले रही है, लेकिन अब कर्मचारियों के सब्र का बांध टूट गया है और सरकार को इसके परिणाम भुगतने होंगे। डिप्लोमा इंजिनियर संघ के अध्यक्ष अनिल किशोर पाण्डेय ने कहा की न्यू पेंशन स्कीम कैंशर की तरह है जो धीरे धीरे कर्मचारियों के भविष्य को निगल रहा है।

विशिष्ठ बीटीसी संघ के तारकेश्वर शाही ने कहा कि सरकार हमारे हक के पैसे से अंबानी की झोली भर रही है। इस अवसर पर राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मंडल अध्यक्ष गोविंद, महामंत्री मदन मुरारी शुक्ल, राजस्व अमीन संग्रह संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष श्याम नारायण शुक्ल, अनिल द्विवेदी, रेलवे के दीपक चौधरी, देवेश सिंह, अजय त्रिपाठी, कौशल कुमार सिंह, ईश्वर चन्द विद्यासागर, आरडी सिंह, धीरज सिंह, लक्ष्मी श्रीवास्तव, मोनू पाठक, हरिकेश बहादुर, निशांत यादव, परमात्मा सिंह, राज्य कर्मचारी संयुक्त परिषद के मीडिया प्रभारी अनूप कुमार अशोक पाण्डेय, विशिष्ठ बीटीसी संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष संजय सिंह, अखिल भारतीय प्राथमिक शिक्षक संघ के राष्ट्रीय सचिव संजय मिश्र, पंचायती राज विभाग के अशोक सिंह आदि उपस्थित रहे।

शिल्पकार लक्ष्मीचंद से पीएम ने पूछा, पहले और मोदी सरकार की योजनाओं में क्या फर्क

संवाददाता–गोरखपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को शिल्पग्राम औरंगाबाद के टेराकोटा शिल्पकार लक्ष्मीचंद से करीब 12 मिनट तक सरकार की योजनाओं और उनके लाभ को लेकर संवाद किया। पीएम ने पूछा, पहले की सरकारों की योजनाओं और मोदी सरकार की योजनाओं में क्या फर्क है? जिसपर शिल्पकार ने बताया कि अब योजनाओं में पारदर्शिता है। इसके साथ ही अधिकारी भी सभी सूचनाएं सहजता से दे रहे हैं।

पीएम मोदी ने शिल्पकार लक्ष्मीचंद से सोमवार को दिन में 1. 25 बजे संवाद शुरू किया। पीएम ने सरकार की तरफ से मिलने वाली योजनाओं और उसके लाभ के बारे में विस्तार से जानकारी ली। शिल्पकार ने बताया कि एक जिला एक उत्पाद में टेराकोटा शिल्प को चयनित करने के बाद काफी लाभ मिला है। विभाग की तरफ से टूल किट मिला। दिल्ली से लेकर लखनऊ तक में आयोजित प्रदर्शनी का अवसर मिलने से कारोबार बढ़ रहा है। पीएम ने स्वयं सहायता समूह को लेकर जानकारी ली। जिसमें शिल्पकार ने बताया कि वर्ष 2000 में 12 सदस्यों के साथ स्वयं सहायता समूह शुरू किया था। अब समूह में 75 सदस्य हैं। वर्तमान में सभी 75 सदस्य समूह के माध्यम से टेराकोटा के कारोबार में लगे हुए हैं। सभी मिलकर प्रति वर्ष की आमदनी सवा करोड़ करते हैं।

प्रभु श्रीराम की किलकारियों को सुन आनंदित हुए अयोध्यावासी, किन्नरों ने सोहर और बधाई गाकर शुरू की नेग लेने की परंपरा

संवाददाता–अयोध्या। 500 सालों के बाद अब प्रभु श्रीराम के त्रेतायुगीन उसी वैभव को कलियुग में एक बार फिर साकार होता देख किन्नर समाज उल्लास से भर उठा है। अयोध्या का किन्नर समाज पुलकित होकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गोरक्षपीठाधीश्वर मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को दुआएं दे रहा है। उनका कहना है कि इस गौरव को लौटाने वाले दोनों नायकों पर प्रभु श्रीराम सदा सहाय हों और दसों दिशाओं में इनका यशोगान होता रहे। ये वही किन्नर समाज है, जिसने रामलला के जन्म पर बधाई गाकर नेग स्वीकार करने के चलन को प्रचलन में लाया। ये वही समाज है जब वन को निर्वासित जनप्रिय युवराज राम से मिलकर उनके आदेश पर चरण पादुका को सिर पर सुशोभित करते हुए भरत नंदीग्राम के लिए अयोध्या की सकल नर– नारी रूपी जनमानस के साथ प्रस्थान कर गए थे, लेकिन, वहीं तमसा नदी के किनारे 14 वर्ष समाज से दूर रहकर किन्नर वनवास की अवधि के दौरान निरंतर राम राजा के यशोगान के निमित्त साधना आराधना में लीन रहे।

गद्दीपति व अयोध्या जिले की किन्नर समाज की अध्यक्ष पिंकी मिश्रा ने बताया कि किन्नरों ने श्रीराम को गोद में लिया, ढोलक–मजीरा बजाकर बधाई गाई, बलाइयां लीं और उस नेग को स्वीकार किया, जिसे राजा दशरथ के लाख अनुरोध के बाद भी कोई नहीं स्वीकार कर रहा था। वहीं, जब वनवास से राम जी लौटकर आए तो किन्नरों ने बताया कि प्रभु हमने अयोध्या से दूर रहकर आपका इंतजार करते हुए साधना–आराधना और यशोगान किया। प्रभु श्रीराम ने उनके इस अप्रतिम समर्पण को शीश झुकाकर प्रणाम किया और आशीर्वाद दिया कि जिस भी घर में दो से तीन प्राणी होंगे, मांगलिक कार्य होगा तो आप उनको बधाइयां व आशीर्वाद देंगे तथा बदले में नेग लेंगे। तब से यह परंपरा आज के दिन तक निरंतर कायम है। अहो भाग्य, राम जी फिर पधार रहे हैं। अपार खुशी है राम जी अपने राजमहल में विराजमान हो रहे हैं तो हम किन्नर झोली फैलाकर यह मांग कर रहे हैं कि भले एक पैसा ही सही, हमें राम जी का नेग दिया जाए क्योंकि हम राम जी का ही दिया खाते हैं और उन्हीं के गुण गाते हैं।

किन्नर लवली ने कहा कि जन्मभूमि के लिए संघर्ष करने में गोरक्षपीठ की बड़ी भूमिका रही है। महंत दिग्विजयनाथ हों या महंत अवेद्यनाथ, जन्मभूमि मुक्ति आंदोलन में जब भी कुछ नया घटनाक्रम हुआ, गोरक्षनाथ महत्वपूर्ण भूमिका में रहा। यहां आकर राम मंदिर के लिए चिंता और चिंतन करने वाले योगी आदित्यनाथ को जब मौका मिला तो उन्होंने पूर्वजों की उस साधना को सिद्धि में परिवर्तित करके दिखा दिया। सीएम योगी आदित्यनाथ बार–बार कहते हैं कि मेरे एक ही राजा हैं–वो हैं राजा राम। राजा राम की नगरी के विकास को लेकर उन्होंने इस बात को साबित भी किया है। किन्नर नरगिस ने कहा कि सप्तपुरियों में प्रथम अयोध्या धाम विकास और विरासत के संरक्षण की मानक नगरी बनेगी। श्रीराम के अनन्य भक्त योगी आदित्यनाथ ने इसका संकल्प लिया था। राम भगवान जी अपनी अयोध्या के मंदिर में आ रहे हैं तो वह संकल्प भी पूरा हो रहा है और किन्नर समाज में खुशी की लहर आ रही है।

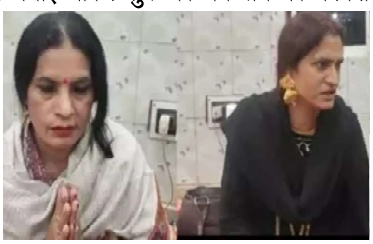

रुड़की में सम्मानित हुई बस्ती की तीन अध्यापिकाएं

–भारतीय बस्ती संवाददाता–

बस्ती। रुड़की में नई शिक्षा नीति 2020 में चुनौतियों एवं संभावना के तहत शिक्षा के क्षेत्र में अपने अनुभव और विशिष्ट क्रिया कलाप के लिए उत्तर प्रदेश के बस्ती जनपद से तीन शिक्षकों का चयन हुआ। रुड़की मे शेफील्ड स्कूल में उद्घोष शिक्षा का नया सवेरा कार्यक्रम में देशभर के 109 शिक्षकों को सम्मानित किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि उत्तराखंड मदरसा शिक्षा बोर्ड के अध्यक्ष मुफ्ती शमून कासमी

पद्म श्री डॉ बी के एस संजय, ग्रीन स्कूल्स के प्रणेता प्रोफेसर पंकज कुमार मिश्र ने साऊघाट कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय की वार्डन माधुरी त्रिपाठी, कस्तूरबा गांधी परशुरामपुर की अंशकालिक शिक्षिका सावित्री त्रिपाठी, पूर्व माध्यमिक विद्यालय बटेला की सहायक अध्यापक श्रुति त्रिपाठी को टीचर्स आइकन अवार्ड 2024 से सम्मानित किया गया। संपूर्ण देश के शिक्षकों में से शिक्षा की गुणवत्ता व नवीन प्रयोग के आधार पर इनका चयन किया गया था। पूर्व में भी यह सभी जनपद बस्ती का नाम पूरे राज्य व देश में सुशोभित कर चुकी हैं।

मेले में 217 युवाओं को मिला रोजगार

संवाददाता–गोरखपुर। राजकीय आईटीआई, चरगांवा में सोमवार को रोजगार मेले का आयोजन किया गया। इसमें 11 कंपनियों ने कुल 217 युवाओं को विभिन्न पदों पर रोजगार दिया।

दीनदयाल उपाध्याय ग्रामीण कौशल योजना, कौशल विकास मिशन, राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान एवं सेवायोजन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित मेले का उद्घाटन मुख्य अतिथि सांसद रवि किशन शुक्ल व विशिष्ट अतिथि पिपराइच के विधायक महेन्द्र पाल सिंह ने किया। उन्होंने मेले में प्रतिभाग करने वाली कम्पनियों से सेवायोजन के बाद दिए जाने वाली सुविधाओं के बारे में विस्तृत जानकारी ली।

मेले में प्रतिभाग करने वाले युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार प्रदान किए जाने के लिए कंपनियों से आह्वान किया। इस मेले में कुल 546 युवाओं ने पंजीकरण कराया था। इस अवसर पर एसएन राम, संतोष कुमार श्रीवास्तव, विकास त्रिपाठी, शशिकांत मौर्या, आलोक शर्मा, प्रांजल शाही, संदीप वर्मा, दुर्गेश सिंह, फूल बदन राम, प्रतिमा श्रीवास्तव आदि उपस्थित रहे।

भाकियू कार्यकर्ताओं का सांसद के लोगों द्वारा दुर्व्यहार का आरोप, हाइवे किया जाम

संवाददाता–संकबीरनगर। जिले में कोतवाली खलीलाबाद क्षेत्र के नेशनल हाइवे के भैसाहिया गांव के सामने सोमवार को भाकियू भानू गुट कार्यकर्ताओं ने हाइवे जाम कर दिया। कार्यकर्ताओं का आरोप था कि वह लोग समस्याओं को लेकर सांसद से मिलने आए थे, पर सांसद नहीं थे। उनके लोगों ने दुर्व्यहार किया। जिसकी वजह से सड़क जाम करने की नौबत आई। सूचना पर एसडीएम सदर शैलेश दुबे सीओ बृजेश सिंह पहुंच गए और कार्यकर्ताओं को समझा बुझाकर जाम समाप्त कराया। करीब 10 मिनट तक हाइवे जाम रहा। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सांसद व डीएम को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा।

बैंकॉक और सिंगापुर से भी ज्यादा महंगी है अयोध्या की फ्लाइट

संवाददाता–अयोध्या। 22 जनवरी को अयोध्या में रामलला की प्राम प्रतिष्ठा होनी है। इसके लिए अयोध्या में तैयारियां जोरों पर हैं। वहीं, राम मंदिर के उद्घाटन से पहले फ्लाइट का किराया भी सातवें आसमान पर पहुंच गया है। अयोध्या के लिए हवाई किराया सिंगापुर और बैंकॉक से भी महंगा हो गया है। राम लला की प्राण प्रतिष्ठा से पहले ही पर्यटक अयोध्या पहुंच रहे हैं। यही कारण है कि अयोध्या में होटल से लेकर किराया महंगा हो गया है। राम नगरी अयोध्या मेहमानों का स्वागत करने के लिए पूरी तरह से तैयार है। अयोध्या के गलियां में राममय हैं। फाइनेंशियल एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के अनुसार, अयोध्या में नए खुले महर्षि वाल्मिकी अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा के लिए मुंबई से इंडिगो की एक सीधी उड़ान है। 19 जनवरी को अयोध्या जाने के लिए यात्री को 20,700 रुपये देना होगा। वहीं, इसी दिन एयर इंडिया की सीधी मुंबई– सिंगापुर उड़ान की कीमत 10,987 रुपये है। मुंबई से बैंकॉक की सीधी उड़ान का किराया 13,800 रुपये है।

वहीं, अयोध्या में 1,500 से कम होटल के कमरे हैं। इसलिए होटल के कमरे की दरों में 4–5 गुना वृद्धि हुई है। शहर में कोई भी ब्रांडेड पांच सितारा होटल नहीं है, लेकिन अधिकांश प्रीमियम होटल 22 जनवरी से ठीक पहले बुक हो चुके हैं।

अयोध्या हनुमान गढ़ी के लड्डू का जीआई टैग के लिए हुआ रजिस्ट्रेशन

संवाददाता–अयोध्या। राम की नगरी अयोध्या आने वाले श्रद्धालु हनुमान गढ़ी का प्रसाद लड्डू अवश्य अपने साथ ले जाते हैं। इस लड्डू को लेकर श्रद्धालुओं में प्राण प्रतिष्ठा के साथ क्रेज बढ़ा है। ऐसे में पद्मश्री डॉ रजनीकांत ने इस लड्डू को जीआई टैग दिलाने की कवायद शुरू कर दी है। इसके बाद यह लड्डू सिर्फ हनुमान गढ़ी का ही माना जाएगा।

श्रीराम की नगरी अयोध्या में हनुमान गढ़ी के लड्डू के स्वाद के सभी दीवाने हैं। इस नाम पर कई जगह लड्डू की दुकानें सज रही हैं। ऐसे में हनुमानगढ़ी के खास लड्डू को संवर्धित करने के लिए काशी के रहने वाले जीआई विशेषज्ञ पद्मश्री डॉ रजनीकांत जीआई कार्यालय चेन्नई में इसका प्रस्ताव भेजा है, जहां इसे देर शाम स्वीकार कर लिया गया है। इसे हनुमान गढ़ी के आस पास के हलवाई समाज में भी हर्ष का माहौल है। कुछ दिनों पहले उन्होंने भी एक प्रस्ताव इसका चेन्नई भेजा था। पद्मश्री से सम्मानित जीआई मैन के रूप में विख्यात डॉ रजनीकान्त ने बताया कि आज हमारे लिए बहुत ही गौरवशाली दिन है। सिडबी–लखनऊ, उत्तर प्रदेश के वित्तीय सहयोग से हमारे द्वारा तकनिकी रूप से तैयार अयोध्या हनुमानगढ़ी लड्डू के जीआई आवेदन दस्तावेज का ह्यूमन वेलफेयर एसोसिएशन की पूरी टीम के निरंतर प्रयास से तैयार किया गया जिसमें हलवाई कल्याण समिति, अयोध्या आवेदक रूप में शामिल गई और पूरी तैयारी के साथ जीआई रजिस्ट्री चेन्नई को भेजा गया और आज सोमवार को उसे स्वीकार कर लिया गया है। इस कार्य के बाद पद्मश्री रजनीकांत ने कहा कि 33 वर्षों से मै जीआई टैग के लिए काम कर रहे हैं। साल 2005 से शुरू हुआ यह सफर आज सबसे महत्वपूर्ण कार्यों में पहुंच आया हूं। उन्होंने कहा कि यह हमारा भाग्य एवं पूर्वजों का फल है कि अयोध्या हनुमानगढ़ी लड्डू के जीआई पंजीकरण कराने का अवसर इस ऐतिहासिक माह में प्रपात हुआ है जब प्रभु श्रीराम की घड़ी नजदीक आ रही है। उन्होंने कहा कि हमें विश्वास है कि अगले कुछ महीनों में लड्डू को जीआई टैग मिल जाएगा और तिरुपति के प्रसाद लड्डू की तरह ही यह भी जीआई टैग में शामिल हो जाएगा।

चंपत राय ने जारी किया वीडियो, बताया आयोजन में होंगे कितने मेहमान

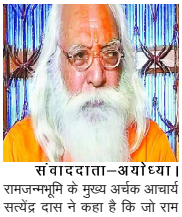

संवाददाता–अयोध्या। राम मंदिर प्राण प्रतिष्ठा के संबंध में श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय ने एक वीडियो जारी किया है। इस वीडियो में उन्होंने प्राण प्रतिष्ठा का दिन, समय के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने बताया कि 22 जनवरी को जो मेहमान आने हैं वह तय हो गए हैं। सभी लोग उस दिन नहीं आ सकते इसलिए वह अपनी निकटवर्ती राम मंदिर जाकर प्रभु के दर्शन करें। साथ ही घर पर पांच दिए जलाएं। उन्होंने पीएम के आगमन और पूजा की पूरी प्रक्रिया के बारे में बताया। श्री रामलला की मूर्ति का जिस कुटिया में निर्माण किया गया, 16 जनवरी को पूजन का प्रारंभ उसी कर्म कुटी से होगा। इसके बाद मूर्ति का निर्माण करने वाले शिल्पी का प्रायश्चित पूजन होगा। प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम के ब्रह्मा गणेश्वर शास्त्री द्राविड़, प्रमुख आचार्य लक्ष्मीकांत दीक्षित, सुनील दीक्षित, गजानंद जोगकर, अनुपम दीक्षित, घटाटे गुरुजी प्राण प्रतिष्ठा के अनुष्ठान संपन्न कराएंगे। इसमें 11 यजमान भी होंगे। विश्व हिंदू परिषद के राष्ट्रीय प्रवक्ता और धर्माचार्य संपर्क प्रमुख अशोक तिवारी ने बताया कि 17 जनवरी को श्री विग्रह का परिसर भ्रमण कराया जाएगा। गर्भगृह का शुद्धिकरण होगा। 18 जनवरी से अधिवास प्रारंभ होगा। दोनों समय जलाधिवास होगा। साथ ही सुगंधि और गंधाधिवास भी होगा। 19 जनवरी को सुबह फल अधिवास और शाम को धान्य अधिवास होगा। इसी तरह 20 जनवरी को सुबह पुष्प और रत्न अधिवास, शाम को घृत अधिवास होगा। 21 जनवरी को सुबह शर्करा, मिष्ठान और मधु अधिवास होगा। शाम को औषधि और शय्या अधिवास होगा। भगवान राम सूर्यवंशी हैं और आदित्य भी द्वादश हैं। इसलिए द्वादश यानी 12 अधिवास हो रहे हैं। इसके अलावा सोलह से 22 जनवरी तक चतुर्वेद यज्ञ होगा।

बीआरडी के मानसिक रोग विभाग से फिर नशीली दवाएं चोरी

संवाददाता–गोरखपुर। बीआरडी मेडिकल कॉलेज का मानसिक रोग विभाग चोरों के निशाने पर आ गया है। इस विभाग के ओपीडी ड्रग स्टोर से एक बार फिर से नशीली दवाओं की चोरी हुई है। पिछले एक महीने में विभाग में चोरी की यह दूसरी घटना है। इस बार भी चोर ड्रग स्टोर का ताला तोड़ने में कामयाब हो गए। विभागाध्यक्ष डॉ. तपस आइच ने गुलरिहा पुलिस को तहरीर दी।

बीआरडी मेडिकल कॉलेज के मानसिक रोग विभाग में नशा मुक्ति केन्द्र संचालित होता है। यहां नशे के लत के आदी हो चुके युवाओं को दवाएं दी जाती हैं। इन दवाओं में सीमित मात्रा में नशा होता है। यह दवाएं रोजाना मरीजों को ओपीडी के ड्रग स्टोर से वितरित होती हैं। सोमवार की सुबह ओपीडी के लिए कर्मचारी पहुंचे तो देखा कि कमरे का ताला टूटा है। चोर ओपीडी कक्ष का ताला तोड़कर आलमारी में रखी ओएसटी की दवाओं को चुरा लिया है। दवाओं का रैक पूरी तरह से खाली हो गया।

इस दौरान आलमारी में रखे कागजात को इधर–उधर कर दिया गया है। विभागाध्यक्ष डॉ. तपस आइच ने लिखित तहरीर पुलिस को दी है। पुलिस मामले जांच कर रही है। बीते एक महीने में नशीली दवाओं की चोरी की दूसरी घटना है। इससे पूर्व बीते 16 दिसम्बर को भी मानसिक विभाग के ओएसटी सेंटर के आलमारी में रखी 1597 गोलियां चोरी कर ली गयी थी। मुकदमा दर्ज कर अभी पुलिस पुराने मामले की जांच कर रही है।

RELIGION CHANGE

I RAM GOPAL S/O PANCHAM R/O GRAM-AMAULI, POST-HATHIYA GARH, DISTRICT-BASTI UTTAR PRADESH PIN CODE-272002 Hareby solemnly affirm and declar that I have embraced BUDDHISM religion and Renounced HINDUISM religion w.e.f. 29.05.2023

It is Certifieced that I have Complied with other Legal Requirements in this Connection.

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
मु0नं0–7579 / 23
धारा 134 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी (न्यायिक) महोदय हर्रैया जिला–बस्ती

राम प्रकाश
बनाम
हजारी

ग्राम बेदीपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती
1. हजारी पुत्र बदल ग्राम बेदीपुर तप्पा पुरैना परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला–बस्ती

तारीख पेशी 09–01–20224

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 09 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख 05 माह 01 सन 2024 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

जहरीला पदार्थ खाने से बारहवीं की छात्रा की मौत

संवाददाता–गोरखपुर। गुलरिहा थाना क्षेत्र के एक गांव की रहने वाली बारहवीं की छात्रा का मेडिकल कालेज में इलाज के दौरान मौत हो गई। छात्रा ने रविवार को अज्ञात कारणों से जहरीला पदार्थ खा लिया था। क्षेत्र के जंगल डुमरी नंबर एक टोला कोदई शाह निवासी अनिल निषाद की बेटी रुक्मिणी (18) बारहवीं की छात्रा थी। बताया जा रहा है कि रविवार को दोपहर में छात्रा अज्ञात कारणों से जहरीला पदार्थ खा लिया। हालत बिगड़ता देख परिजनों ने मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया। जहां देर रात छात्रा की इलाज के दौरान मौत हो गयी। मेडिकल चौकी पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

RELIGION CHANGE

I RAJ KUMAR SAMDASHI S/O RAMVACHAN R/O GRAM-KORMA, POST-MANAOWA, DISTRICT-BASTI UTTAR PRADESH PIN CODE-272301 Hareby solemnly affirm and declar that I have embraced BUDDHISM religion and Renounced HINDUISM religion w.e.f. 29.05.2023

It is Certifieced that I have Complied with other Legal Requirements in this Connection.

सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा माध्यमिक शिक्षा परिषद (उ०प्र०) हाई स्कूल वर्ष **2018** अनुक्रमांक **2412428** एवं इंटर मीडिएट वर्ष **2020** अनुक्रमांक 2306867 का अंक पत्र सह अंक पत्र वास्तव में खो गया है।

(आकाश कुमार)
पुत्र भोला सोनकर
ग्राम व पोस्ट नगर बाजार
(माली टोला)
जनपद बस्ती।

अदालती नोटिस

सम्मन बरगज इनफिसाल मुकदमा
(आर्डर 5 कायदा 1 व 5 मजमुआ जाप्ता 200 ई0)
मु0नं0–10739 / 2021
कम्प्यूटरीकृत सं0
T 202117140110739
धारा 144 उ0प्र0रा0सं0 2006
अदालत– श्रीमान उप जिलाधिकारी महोदय हर्रैया जिला–बस्ती

राजेश श्री0
बनाम
देवी प्रसाद आदि

1. देवी प्रसाद पुत्र रामदास 2. सभापति 3. जगन्नाथ 4. रमाकान्त पुत्रगण राममिलन –प्रतिवादी प्रथम वर्ग
5. अशोक कुमार 6. अंजन कुमार 7. राम कुमार पुत्रगण हरिनरायन 8. श्रीमती केवला देवी पत्नी हरि नरायन 9. दीपक पुत्र शिव कुमार 10. श्रीमती ज्योति पत्नी शिव कुमार 11. शीतला प्रसाद पुत्र ओरीलाल 12. रामकरन 13. परमात्मा 14. हृदयराम 15. शोभाराम 16. राम उजागिर 17. राम किशोर पुत्रगण राम बुझारत 18. श्रीमती सोमना देवी पत्नी राम बुझारत 19. राम अभिलास पुत्र ओरीलाल 20. रामचन्दर पुत्र राम बुझारत –प्रतिवादीगण द्वितीय वर्ग
21. ग्राम प्रधान माचा 22. सरकार उ0प्र0 द्वारा कलेक्टर महोदय बस्ती साकिनान मौजा माचा तप्पा बेलवा परगना अमोढ़ा तहसील हर्रैया जिला बस्ती

तारीख पेशी 16–01–20224

वाजेह हो कि ने आपके नाम एक नालिस बाबत दायर की है। लिहाजा आपको हुक्म होता है कि आप बतारीख 16 माह 01 सन 2024 ई0 बवक्त 10 बजे दिन बमुकाम असालतन या मारफत वकील के जो मुकदमे के हालत से करार वाकई वाकिफ किया गया हो और जो कुल उमूर अहम मुतल्लिका मुकदमा जबाब दे सके या जिसके साथ कोई और सख्श हो जो कि जबाब ऐसे सवालत का दे सके हाजिर हों और जबाबदेही दावा कीजिये और हरगाह वही तारीख जो आपके हाजिरी के लिये मुकर्रर है वास्ते इनफिसाल कत्तई मुकदमा के तजबीज हुई है और आपको लाजिम है कि उसी रोज जुमला दस्तावेज को जिनको आप अपनी जबाबदेही के तहत इस्तदलाल करना चाहते हों पेश करें।

आपको इत्तिला दी जाती है कि अगर बरोज मजकूर आप हाजिर न होंगे तो मुकदमा बगैर हाजिरी आपके मसमुआ और फैसला होगा।

बसख्त मेरे दस्तखत और मुहर अदालत के आज बतारीख माह सन 20 ई0 जारी किया गया।

द0 हाकिम

खरगे व सोनिया को निमंत्रण देने पर रामजन्मभूमि के मुख्य अर्चक ने जताई नाराजगी

संवाददाता–अयोध्या। रामजन्मभूमि के मुख्य अर्चक आचार्य सत्येंद्र दास ने कहा है कि जो राम को नहीं मानते हैं और जो सनातन विरोधी हैं। उन्हें प्राण प्रतिष्ठा समारोह का निमंत्रण नहीं दिया जाना चाहिए। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे व सोनिया गांधी को निमंत्रण दिए जाने पर मुख्य अर्चक ने अपनी प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि ये वहीं लोग हैं जिन्होंने कभी राम के अस्तित्व को ही नकार दिया था। ऐसे सनातन विरोधियों को आमंत्रण देने की जरूरत नहीं है, ऐसे लोगों को आने की जरूरत नहीं है।

दैनिक
भारतीय बस्ती
स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक प्रदीप चन्द्र पाण्डेय द्वारा दर्पण प्रिन्टिंग प्रेस वि0. नया हाल 1–4 A लोहिया काम्पलेक्स जिला पंचायत भवन गांधीनगर बस्ती (उ.प्र.) से मुदित एवं प्रकाशित।
सम्पादक दिनेश चन्द्र पाण्डेय
प्रबन्ध सम्पादक–दिनेश सिंह
संयुक्त सम्पादक–प्रदीप चन्द्र पाण्डेय
अयोध्या–फैजाबाद कार्यालय– चतुर्भुजी मंदिर परिसर लक्ष्मण घाट अयोध्या–फैजाबाद
लखनऊ कार्यालय– आशियाना चौराहा, एल.डी.ए. कालोनी, सेक्टर एच. कानपुर रोड लखनऊ।
गोरखपुर कार्यालय– इलाहीबाग गोरखपुर।
मो09450567450 9336715406,
ई.मेलbhartiyabasti@yahoo.com
bhartiyabasti@gmail.com